सोमवार, 21 अक्टूबर 2024

मौसम

तापमान 32 – 24
आर्द्रता 76%
सूर्योदय: 5:36 सूर्यास्त: 17:06

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, कार्तिक कृष्णपक्ष पंचमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

न्यूजीलैंड ने पहली बार जीता टी20 वर्ल्ड कप का खिताब –पृष्ठ 8

सुविचार : बिना कुंडली मिलाये आजीवन चलनेवाला एक अद्भुत संबंध केवल मित्रता है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

आज आंदोलनकारी चिकित्सक सरकार के साथ करेंगे बैठक

भूख हड़ताल खत्म करने की शर्त ठुकराई

■ एनआरएस मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों ने करीब तीन घंटे तक की जीबी बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों ने कहा है कि वे अपनी मांगों से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए सोमवार को बंगाल सरकार की ओर से बुलाई गई बैठक में शामिल होंगे। चिकित्सकों ने कहा कि इसके नतीजे से यह तय होगा कि वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल वापस लेंगे या नहीं। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरजीकर अस्पताल में अपनी सहकर्मी के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या के विरोध में

प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों से आमरण अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी ज्यादातर मांगों पर विचार किया जा चुका है। रविवार को आंदोलनकारी चिकित्सकों में से एक देबाशीष हलदर ने 'पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट' की आम बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि हम बैठक में शामिल होंगे लेकिन इससे पहले भूख हड़ताल वापस नहीं ली जाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक के नतीजे से यह तय होगा कि आंदोलन किस रूप में जारी रहेगा। हालांकि, कनिष्ठ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य सचिव एन. एस. निगम के इस्तीफे की मांग जारी रखी। हलदर ने भूख हड़ताल में शामिल होने वालों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की तथा बताया कि वर्तमान में भूख हड़ताल कर रहे आठ चिकित्सकों में से तीन पांच अक्टूबर से, दो 11 अक्टूबर से, एक 14 अक्टूबर से तथा दो 15 अक्टूबर से हड़ताल पर हैं। भूख हड़ताल करने वाले छह अन्य चिकित्सक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि आंदोलनकारी चिकित्सकों के साथ राज्यभर के उनके सहकर्मी भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे 22 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल में सभी चिकित्सा पेशेवरों की हड़ताल आयोजित कर विरोध को और तेज कर देंगे।

दिल्ली में प्रदूषण संकट : वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बरकरार

नयी दिल्ली : दिल्ली में ठंड के दस्तक के साथ ही राष्ट्रीय राधानी सभी प्रकार के प्रदूषण की जकड़ में आती जा रही है और शहर में वायु की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है। हालांकि, एक नवीनतम अनुसंधान के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष पराली जलाने की दर में कमी आई है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार रविवार शाम चार बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 277 दर्ज किया गया। दिल्ली के 35 निगरानी केंद्रों में से 14 ने वायु गुणवत्ता को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया, जबकि शनिवार को यह संख्या 11 थी। इन केंद्रों में आनंद विहार, बवाना, द्वारका, जहांगीरपुरी, मुंडका, नरेला, पटपड़गंज, रोहिणी, शादीपुर, सोनिया विहार और वजीरपुर शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर के गांदरबल में आतंकवादी हमला, बिहार के 3 मजदूरों सहित 7 लोगों की मौत

■ सेना ने इलाके को घेरा

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक आतंकवादी हमले में तीन मजदूरों सहित सात लोगों की मौत हो गई है, जिनमें कश्मीर के एक डॉक्टर भी हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने जिले के गुंड इलाके में सुरंग निर्माण का काम कर रही एक निजी कंपनी के मजदूरों के कैम्प पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य की इलाज के दौरान अस्पताल में जान चली गई। पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने में दो आतंकवादी शामिल थे।

पुलिस और सेना ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी है। जिन सात लोगों की मौत हुई है, उनमें बिहार के फहीमन नासिर (सेफ्टी मैनेजर), मोहम्मद हनीफ और

कलीम, जबकि मध्य प्रदेश के अनिल शुक्ला (मैकेनिकल मैनेजर), जम्मू के शशि अबरोल, पंजाब के गुरमीत सिंह और कश्मीर के डॉ। शाहनवाज शामिल हैं। आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

एलजी मनोज सिन्हा बोले– पुलिस, सेना और सुरक्षा बलों को पूरी आजादी

उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल के गगनगीर में नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आतंकवाद के ऐसे कृत्यों से सख्ती से निपटने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को दोहराया है और आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों के संकल्प की पुष्टि की है। उप-राज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है और उन्हें क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने का निर्देश दिया है।

दिवाली से पहले दिल्ली को दहलाने की साजिश, सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास धमाका

नयी दिल्ली : दिल्ली में रविवार की सुबह एक चौंकाने वाली घटना हुई ,जब रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूल के पास एक जोरदार धमाका हुआ। सुबह करीब 7:30 बजे, आवाज सुनकर निवासी हिल गए, इसके बाद आसमान में सफेद धुआं उठता दिखाई दिया। इस घटना से न केवल दहशत फैल गई, बल्कि एक तीखी गंध भी उठी, जिससे लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया। शुरुआती दहशत के बावजूद, यह सौभाग्य की बात थी कि विस्फोट के परिणामस्वरूप कोई चोट, मौत या महत्वपूर्ण संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। विस्फोट के तुरंत

बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), दिल्ली पुलिस, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम और फायर ब्रिगेड सहित विभिन्न एजेंसियों को घटनास्थल पर भेजा गया। शुरुआती अनुमान था कि विस्फोट मामूली था, हालाँकि, जैसे-जैसे जाँच आगे बढ़ी, स्थिति और गंभीर होती गई। तत्काल कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली, लेकिन अधिकारी विस्फोट के स्रोत की सक्रियता से तलाश कर रहे हैं।

रविवार को 25 उड़ानों में मिली बम होने की धमकी

मुंबई/नयी दिल्ली : भारतीय विमानन कंपनियों की 24 उड़ानों को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसकी वजह से सैकड़ों यात्रियों को मुश्किल का सामना करना पड़ा और अधिकारियों को मजबूरी में विमानों को हवाई अड्डे की मुख्य पट्टी से दूर ले जाकर गहन जांच करनी पड़ी। यह घटनाक्रम विभिन्न भारतीय विमान सेवा कंपनियों की 30 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के एक दिन बाद हुआ है। इस सप्ताह, लगभग 100 उड़ानों को बम से उड़ाने की अलग-अलग धमकी मिलीं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। बाद में सभी धमकी झूठी साबित हुईं। सूत्रों ने बताया कि इन विमानन कपंनियों में इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर शामिल हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित विभिन्न उड़ानों में बम होने की धमकी मिली। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक अलग बयान में कहा कि एयरलाइन ने उड़ान संख्या 6ई 58 (जेद्दा से मुंबई), 6ई87 (कोझिकोड से दम्माम), 6ई11 (दिल्ली से इस्तांबुल), 6ई17 (मुंबई से इस्तांबुल), 6ई133 (पुणे से जोधपुर) और 6ई112 (गोवा से अहमदाबाद) में उत्पन्न स्थिति से अवगत है। इन उड़ानों के यात्री सुरक्षित उतर गये। विस्तारा ने बताया कि उसे छह उड़ानों यूके25 (दिल्ली से फ्रैंकफर्ट), यूके106 (सिंगापुर से मुंबई), यूके146 (बाली से दिल्ली), यूके116 (सिंगापुर से दिल्ली), यूके110 (सिंगापुर से पुणे) और यूके107 (मुंबई से सिंगापुर) को लेकर धमकी मिली है।

'परिवारवादी राजनीति' देश के लिये 'बहुत बड़ा खतरा' : मोदी

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'परिवारवादी राजनीति' को देश के सामने खड़ा 'बहुत बड़ा खतरा' करार देते हुए रविवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे दलों के लिये वाराणसी का विकास न तो पहले प्राथमिकता में था और ना ही भविष्य में कभी होगा। मोदी ने यह भी कहा कि परिवारवादी लोग कभी युवाओं को मौका देने में विश्वास नहीं करते, इसलिए वह देश के एक लाख ऐसे नौजवानों को राजनीति में लाएंगे जिनके परिवार का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वार-

णसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में विपक्षी दलों कांग्रेस और सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''दशकों बाद बनारस के विकास के लिए इतना काम एक साथ हो रहा है, वरना काशी को तो जैसे उसके हाल पर छोड़ दिया गया था। आप 10 साल पहले की स्थिति याद करिए। बनारस को विकास के लिए तरसाया जाता था। प्रधानमंत्री ने पूछा कि जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक सरकारें चलायीं, जो लोग दिल्ली में दशकों तक सरकार में बैठे रहे, उन्होंने कभी बनारस की परवाह क्यों नहीं की? उन्होंने दावा किया, इसका जवाब है परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति। कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी ऐसे दलों के लिए बनारस का विकास ना पहले प्राथमिकता में था ना भविष्य में कभी होगा।''

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.drsantoshkumarortho.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

बंगाल की खाड़ी में 23 अक्टूबर तक चक्रवात आने की आशंका

भुवनेश्वर : बंगाल की खाड़ी में 23 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान आने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान अंडमान सागर के ऊपर बने एक चक्रवाती परिसंचरण के क्षेत्र के सोमवार तक कम दबाव वाले क्षेत्र में परिवर्तित होने की आशंका है। इसमें कहा गया कि इस मौसम प्रणाली के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने तथा 22 अक्टूबर की सुबह तक अवदाब में तब्दील होने तथा 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदल जाने की आशंका है। बुलेटिन में कहा गया है, ''बाद में इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 24 अक्टूबर की सुबह तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में पहुंचने की प्रबल आशंका है। आईएमडी ने कहा कि इसके प्रभाव से ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में 23 से 25 अक्टूबर तक भारी वर्षा होने की आशंका है।

अयोध्या विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी: प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़

पुणे : देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए ईश्वर से प्रार्थना की थी और कहा कि अगर आस्था हो तो ईश्वर कोई भी रास्ता निकाल देते हैं। वह खेड़ तालुका में अपने पैतृक गांव कन्हेरसर के निवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा, ''अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) आते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंच पाते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो तीन महीने तक मेरे सामने था। मैं ईश्वर के सामने बैठा और उनसे कहा कि उन्हें इसका समाधान ढूंढना होगा।'' प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, ''मेरा विश्वास करें, यदि आपको भरोसा है, तो ईश्वर हमेशा कोई रास्ता निकाल देंगे।'' देश के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करके उस विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया था जो एक सदी से भी अधिक पुराना था। पीठ ने यह भी फैसला दिया था कि अयोध्या में ही वैकल्पिक पांच एकड़ के भूखंड पर मस्जिद बनाई जाएगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा थे।

हरियाणा को नई ऊंचाइयां देने का मौका

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं,वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं।

निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है। उनके लिये यह सुखद है कि जहां राज्य में उन्हें पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलने से पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है,वहीं केंद्र से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। निस्संदेह, उन्हें 'डबल इंजन की सरकार' के मुहावरे को साकार करने का अवसर मिला है। जरूरत इस बात की कि वे पूर्व सरकार के मुखिया की छाया से निकलकर शासन की नई सर्व स्वीकार्य दिशा तय करें। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम नजर आएं, जिससे राज्य में सरकार की स्वीकार्यता बढ़ सके। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का अनुभव व कनिष्ठ विधायकों की ऊर्जा मददगार होगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 21 अक्टूबर, सोमवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, कार्तिक कृष्णपक्ष पंचमी, 26:32 तक, नक्षत्र : रोहिणी, 06:50 तक, योग : वरीघा, 11:09 तक, सूर्योदय: 5:36, सूर्यास्त: 17:06, चन्द्रोदय : 20:22, चन्द्रास्त: 09:37, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : तुला, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 07:04 से 08:30

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए आज का दिन करियर में लाभ लेकर आ रहा है। आपको मान-सम्मान में वृद्धि होगी और आपका पूरा दिन परोपकार में बीतेगा। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष : वृष राशि वालों का दिन करियर में सफलता से भरा रहेगा। दोपहर में कोई खुशी का समाचार मिलेगा और भाग्य आपका साथ देगा। सेहत का ध्यान रखें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए लाभ के योग बन रहे हैं। पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की कृपा से सम्मान मिलेगा। आप किसी कीमती वस्तु की खरीद भी कर सकते हैं।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए लाभ के योग हैं। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। अचानक से धन लाभ होने से आपके धन में वृद्धि होगी। भावुकता में कोई भी फैसला न लें।

सिंह : सिंह राशि वालों को लाभ होगा और हर मामले में आपको अपनी अपेक्षा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। संतान के प्रति दायित्व को पूरा कर लेंगे। भाग्य आपका साथ देगा।

कन्या : कन्या राशि वालों को आज करियर में लाभ होगा और भाग्य आपका साथ देगा। आपको अपने रिश्तेदारों से सुख मिलेगा। पारिवारिक मांगलिक कार्य के पूर्ण होने से खुशी होगी।

तुला : तुला राशि वालों के लिए आज का दिन सफलता से भरा रहेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको विशेष उपलब्धि प्राप्त होगी जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन लाभदायक है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और आपके धन, सम्मान में वृद्धि होगी। आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

धनु : धनु राशि वालों को आज करियर के मामले में लाभ होगा और आप परिवार के लोगों के साथ खरीदारी करने जा सकते हैं। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर : मकर राशि वालों को आज करियर में लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन सकती है।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन फायदे का है लेकिन आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। अचानक से आपको अधिक खर्चे का सामना करना पड़ सकता है।

मीन : मीन राशि वालों को आज लाभ होगा और आपका वैवाहिक जीवन आनंद में बीतेगा। आस-पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसमें आपको लाभ होगा।

सबके कर्म, सबकी बात को देखता- सुनता है परमेश्वर

अशोक प्रवृद्ध

चोर चौर्य कर्म करते हुए, पापी पापकर्म करते हुए, अपराधी अपराधकर्म करते हुए, अधर्मी अधर्म कर्म करते हुए अपना वह कर्म करते समय यह अवश्य सोचता है, अथवा उसके मन में उस कर्म को करते समय एक क्षण के लिए भी यह बात जरूर आती है कि उसके इस कर्म को कोई और नहीं तो सर्वत्र, सर्वव्यापक ईश्वर अवश्य ही देख रहा है। इसी तरह लुक-छिपकर प्रेम करने वाले प्रेमी युगल भी प्रेम के अतिरेक पलों में यह बात एक दूसरे के समक्ष रखना नहीं भूलते कि कण- कण में व्याप्त सर्वशक्तिमान, दयालु ईश्वर उनकी इस बात का, उनके इस कर्म का साक्षी है। और उनके इस बात, इस कर्म को ईश्वर अवश्य ही देख रहा है, सुन रहा है। इससे मानव मन में यह बात घर कर जाने की स्थिति सिद्ध होती है कि ईश्वर सब कुछ जान, सुन, देख रहा है, भले ही मानव दैवी अथवा आसुरी किसी भी स्वभाव का क्यूँ न हो? यह मानव का आदि सनातन मन है कि उसके मन में गलत, अधर्म, पाप, अपराध कर्म अथवा आचरण करते समय जाने -अनजाने ही ईश्वर का स्मरण अवश्य ही आ जाता है, परंतु वह उसे भूलकर अथवा नकारकर अपना कर्म कर ही बैठता है। ईश्वर के सर्वत्र व्याप्त, सबकी बात को, सबके कर्म को देखने, सुनने संबंधी अर्थात परमेश्वर के यथार्थ दर्शक, यथार्थ श्रोता होने संबंधी मत को मानने वाले मानव के इस सनातन मन के समान ही वेद में भी परमेश्वर को यथार्थ श्रोता कहा गया है। वैदिक मान्यतानुसार परमेश्वर सबकी स्तुतियों, प्रार्थनाओं, याचनाओं को यथार्थ रूप में सुनता है। इसलिए वैदिक ग्रंथों में परमेश्वर को व्यापक, अंतर्यामी यथार्थ श्रोता कहा गया है। जीवात्माओं को तो शरीर, ज्ञानेन्द्रियां, कर्मेन्द्रियां और अन्त:करण चतुष्टय प्राप्त हैं, जिनके माध्यम से जीवात्मा अपना सब व्यवहार सम्पादित करता है, परंतु परमेश्वर को जीवात्मा के समान शरीरादि की आवश्यकता नहीं है। वह तो इन साधनों के बिना सब कार्य बड़ी कुशलता से निष्पादित करता है, क्योंकि वह अशरीरी अर्थात निराकार, सर्वज्ञ, सर्वव्यापक सर्वान्तर्यामी तथा परमैश्वर्यवान है। वह व्यापक और सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान होने से सब कुछ देखता, सुनता, जानता है। इसके लिए मुण्डकोपनिषद् में एक वचन है- यत्तदद्दृश्यम्। अर्थात- वह अदृश्य, निराकारादि स्वरूप वाला है। यत्तदद्दृश्यम् अर्थात उस ब्रह्मा का ज्ञानेन्द्रियों से ग्रहण नहीं होता, हस्त से पकड़ा नहीं जा सकता, उसका कोई गोत्र वा वर्ण नहीं, वह नेत्र और कर्णरहित है, उसके हाथ और पाँव नहीं, वह नित्य है, व्यापक है, सर्वान्तर्यामी है, सुसूक्ष्म है, नाशरहित है। इससे स्पष्ट है कि परमेश्वर निराकार, चक्षुरादि इन्द्रियरहित होने पर भी सबका दृष्टा, श्रोता है, क्योंकि वह सर्वगत अर्थात सर्वत्र व्याप्त होने से सब कुछ देखता सुनता व जानता है। बृहदारण्यकोपनिषद् में अस्थूलम् अनणु, अचक्षुम्, अश्रोत्रम् आदि विशेषणों से युक्त करते हुए महर्षि याज्ञवल्क्य अपनी पत्नी गार्गी से उस अक्षर ब्रह्म के विषय अचक्षुकम् का अभिप्राय स्पष्ट करते हैं कि वह अविनाशी, सर्वज्ञ अक्षर ब्रह्म चक्षुरादि इन्द्रियों से भिन्न होने से अचक्षुकम् कहा है। वह सर्वगत (व्यापक) होने से बिना चक्षु के सब कुछ देखता है। चक्षु का अर्थ स्पष्ट करते हुए स्वामी दयानन्द सरस्वती ने पंचमहायज्ञ विधि में लिखा है -

एष एवैतेषां प्रकाशकलात् बाह्याभ्यन्तरयो:। चक्षु: चक्षु: सर्वदृक्।।

अर्थात- वह परमात्मा बाहर और अन्दर सबका द्रष्टा है।

विश्वतश्चक्षु: पद का अर्थ करते हुए महर्षि दयानन्द ने लिखा है -

सर्वस्मिञ्जगति चक्षुर्दर्शनं यस्य स:।

अर्थात- सब जगत् पर चक्षु-दृष्टि रखने वाला है।

परमेश्वर के कर्तृत्व को समझाते हुए स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश में श्वेताश्वेतर उपनिषद का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लिखा है-

अपाणिपादो जवनोग्रहीता पश्यत्यचक्षु: स शृणोत्यकर्ण:।
स वेत्ति विश्वं न च तस्यास्ति वेत्ता तमाहुग्रं पुरुषं पुराणम्।। -श्वेताश्वेतर उपनिषद 3/19

अर्थात- परमेश्वर के हाथ नहीं, परन्तु अपने शक्तिरूप हाथ से सब रचन, ग्रहण करता, पग नहीं, परन्तु व्यापक होने से सबसे अधिक वेगवान, चक्षु का गोलक नहीं, परन्तु सबको यथावत देखता, श्रोत्र नहीं तथापि सबकी बात सुनता, अन्त:करण नहीं परन्तु सब जगत को जानता है और उसको अवधि सहित जानने वाला कोई भी नहीं। उसी को सनातन, सबसे श्रेष्ठ, सबमें पूर्ण होने से पुरुष कहते हैं। वह इन्द्रियों और अन्त:करण से होने वाले काम अपने सामर्थ्य से करता है।

वैदिक मतानुसार लोगों के दूर अथवा निकट में यथार्थ सत्यासत्य को सुनने वाले विज्ञान स्वरूप अन्तर्यामी जगदीश्वर के क्रियामय यज्ञ संबंधी ज्ञान प्राप्त कराने वाले मंत्रों को अच्छी प्रकार जानकर मनुष्यों को नित्य उच्चारण व चिंतन मनन करने, विचार करने का आदेश देते हुए स्वयं परमात्मा ने यजुर्वेद 3/11 में कहा है -

उपप्रयन्तोऽअध्वरं मन्त्रं वोचेमाग्नये।
आरेऽअस्मे च शृण्वते।। -यजुर्वेद 3/11

इस मंत्र में ईश्वर ने अपने स्वरूप का प्रकाश करते हुए कहा है कि मनुष्यों को वेदमंत्रों के साथ ईश्वर की स्तुति अथवा यज्ञ के अनुष्ठान को करके जो ईश्वर भीतर-बाहर सब जगह व्याप्त होकर सब व्यवहारों को सुनता अथवा जानता हुआ वर्त्तमान है। इस कारण उससे भय मानकर अधर्म करने की इच्छा भी न करनी चाहिए। जब मनुष्य परमात्मा को जानता है, तब समीपस्थ और जब नहीं जानता तब दूरस्थ है।

उल्लेखनीय है कि वह ब्रह्म अश्रोत्र है। अक्षर, ब्रह्म, श्रोत्र-भिन्न है। विज्ञान स्वरूप, सबका अन्तर्यामी, व्यापक, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान जगदीश्वर सबके अन्दर-बाहर व्याप्त हो रहा है। उसकी व्याप्ति के बिना कोई वस्तु नहीं है। अग्निस्वरूप परमेश्वर सूक्ष्मातिसूक्ष्म होने से सबको देखता, जानता व सुनता है। इसलिए सब मनुष्यों को वेद मंत्रों द्वारा उसकी स्तुति-प्रार्थना-उपासना करनी चाहिए। यजुर्वेद 3/11का यह मंत्र भी यही उपदेश दे रहा है कि यज्ञीय सब शुभकर्म वेद मंत्रों के द्वारा ही सम्पादित करने चाहिए। स्वामी दयानन्द सरस्वती सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम समुल्लास में कहते हैं- निर्भ्रान्त ज्ञानयुक्त, सब चराऽचर जगत के व्यवहार को यथावत जानने से ही ईश्वर का नाम प्राज्ञ है। ईश्वर सबका परम मित्र होता है। क्योंकि जो मनुष्य किसी का मित्र है, वही अन्य का शत्रु और किसी से उदासीन भी देखने में आता है। इससे मुख्यार्थ में सखा आदि का ग्रहण नहीं हो सकता, किन्तु जैसा परमेश्वर सब जगत का निश्चित मित्र, न किसी का शत्रु और न किसी से उदासीन है, इससे भिन्न कोई भी जीव इस प्रकार का कभी नहीं हो सकता। इसलिए परमात्मा ही का ग्रहण यहाँ होता है। हाँ, गौण अर्थ में मित्रादि शब्द से सुहृदादि मनुष्यों का ग्रहण होता है। (ञिमिदा स्नेहने) अस्माद् धातोरौणादिकः क्रः प्रत्ययः । इस धातु से औणादिक क्र प्रत्यय के होने से मित्र शब्द सिद्ध होता है। मेदते मिद्यते, स्निह्यति स्निह्यते वा स मित्रः। जो सबसे स्नेह करे और सबको प्रीति करने योग्य हो, वह परमेश्वर सबका सच्चा मित्र है, इससे उस परमेश्वर का नाम मित्र है।

स्तुति, प्रार्थना, उपासना श्रेष्ठ की ही की जाती है। श्रेष्ठ उसको कहते हैं जो अपने गुण, कर्म, स्वभाव और सत्य-सत्य व्यवहारों में सबसे अधिक हो। उन सब श्रेष्ठों में भी जो अत्यन्त श्रेष्ठ, उसको परमेश्वर कहते हैं, जिसके तुल्य न कोई हुआ, न है और न होगा। जब तुल्य नहीं तो उससे अधिक क्योंकर हो सकता है? जैसे परमेश्वर के सत्य, न्याय, दया, सर्वसामर्थ्य और सर्वज्ञत्वादि अनन्त गुण हैं, वैसे अन्य किसी जड़ वा जीव पदार्थ के नहीं हैं। जो पदार्थ सत्य है, उसके गुण, कर्म, स्वभाव भी सत्य ही होते हैं। इसलिए सब मनुष्यों को योग्य है कि परमेश्वर ही की स्तुति, प्रार्थना और उपासना करें, उससे भिन्न की कभी न करें। क्योंकि ब्रह्मा, विष्णु, महादेव पूर्वज महाशय विद्वान, दैत्य-दानवादि निकृष्ट मनुष्य और अन्य साधारण मनुष्यों ने भी परमेश्वर ही में विश्वास करके, उसी की स्तुति, प्रार्थना और उपासना करी, उससे भिन्न की नहीं की। वैसे हम सबको करना योग्य है।

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

ललित गर्ग

असंतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं।

विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली- मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बर्बादी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं।

बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन मौसम प्रबंधन तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है। हालात चिंताजनक इसलिए हुए हैं क्योंकि सभी संसाधनों के क्षरण की गति बेतहाशा बढ़ गई है। समस्या न केवल वैश्विक है बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए वैश्विक स्तर के प्रयासों से ही जल-चक्र के असंतुलन से उत्पन्न परिस्थितियों के समाधान की राह तलाशनी होगी।

नीति आयोग के एक ताजा सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ आबादी भीषण जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से भारत में हर साल 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार भारत में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर जिस प्रकार पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं, उससे लगता है कि 2030 तक भारत के 21 महानगरों का जल पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा और वहां पानी अन्य शहरों से लाकर उपलब्ध कराना होगा। जल से जुड़ी चुनौतियां एवं जलचक्र के असंतुलित होने की स्थितियों को स्वीकार कर हम भारतीयों को संकल्पित होना होगा इन चुनौतियों एवं समस्याओं से जूझने के लिये।

वर्ग पहेली नं. 2893

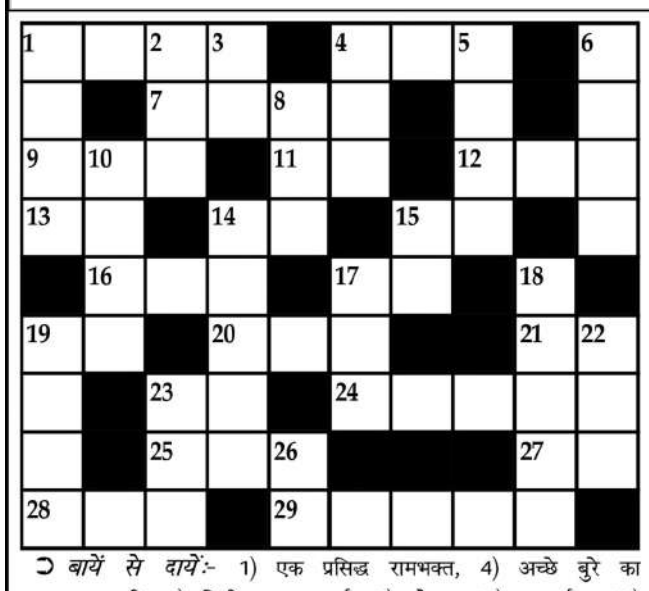

⊃ *बायें से दायें:-* 1) एक प्रसिद्ध रामभक्त, 4) अच्छे बुरे का ज्ञान; समझदारी, 7) विभीषण का भाई, 9) सोना, 11) आयुर्मान, 12) जबानी याद, 13) परत, 14) वर्ष, 15) कुछ, 16) नेत्रांजन, 17) चुकता; इठलाहट, 19) निर्जन, 20) गणना, 21) पक्षी, 23) सब, 24) भारी, 25) सुगंध, 27) मृत्युदेवता, 28) जुड़वाँ, 29) दिलचस्प; मज़ेदार.

⊃ *ऊपर से नीचे:-* 1) तुरंत; आनन फ़ानन; तत्काल, 2) नशीला, 3) अहंकार; उन्माद, 4) बाअदबी; नम्रता, 5) एक मिठाई, 6) कारगाह; कार्य-क्षेत्र, 8) अभूतपूर्व; किशोर, 10) इधर-उधर की बातें करके किसी को हटाना, 14) जन्मदिन, 15) प्रवेश-शुल्क; चंद्रमा, 17) नितांत, 18) सुखद, 19) पूर्वोदय; तड़का, 22) संतप्त; उष्ण, 23) गर्भ, 26) इने गिने.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ग		या	चि	क		मा	यू	स
र		मि		म	म	ता		म	ट्ठा
मा	न	नी	य		स	म	क	क्ष	
ह			मु	न्ना		ह	द		प
ट	प	क	ना		आ		र	फ्ता	र
	हे	म		म	द्य		दा		वा
ग	ली		घू	स		स	न	का	ना
ह		ठी		ख़	रा	ब		लि	
न	म	क	ह	रा	म		दु	ख	ड़ा

सुडोकू-पहेली-2853

1				6	9			
	2						5	
6		9						
			5				4	
		3		1				
						3		6
	4		7					
			2			8		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2852 का उत्तर

3	2	6	4	8	1	7	9	5
9	5	7	6	2	3	8	1	4
4	1	8	5	9	7	6	2	3
1	3	4	8	6	9	2	5	7
6	7	9	2	1	5	4	3	8
5	8	2	3	7	4	1	6	9
7	6	5	9	4	2	3	8	1
8	4	3	1	5	6	9	7	2
2	9	1	7	3	8	5	4	6

आरजीकर मामला : सीबीआई को संदेह, पूर्व नियोजित थी महिला डॉक्टर की हत्या

❑ संदीप घोष के साथ फोन पर दो जूनियर डॉक्टरों की हुई लंबी बातचीत में मिले संकेत

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से हुई दरिंदगी की वारदात की जांच कर रही सीबीआई को संदेह है कि पीड़िता की हत्या पूर्व नियोजित थी। केंद्रीय एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के साथ उनके करीबी दो जूनियर डॉक्टरों व टाला

थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल की हुई लंबी बातचीत में इसके संकेत मिले हैं। संदीप व अभिजीत के फोन को फारेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। इसकी रिपोर्ट मिलने के बाद जांच आगे बढ़ी है। आठ अगस्त की दोपहर से नौ अगस्त की मध्यरात्रि तक संदीप घोष के साथ चेस्ट मेडिसिन विभाग के दो जूनियर डॉक्टरों की 30 से अधिक बार फोन पर बातचीत हुई थी। इसमें कांफ्रेस कॉल भी शामिल है। नौ अगस्त की दोपहर से घोष के साथ टाला थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल की हुई बातचीत का रिकॉर्ड भी है। सूत्रों के मुताबिक, फोरेंसिक रिपोर्ट से पता चला है कि इस दौरान वीडियो और स्टिल फोटोग्राफी का भी आदान-प्रदान हुआ। हालांकि, किस तरह की तस्वीरें या वीडियो भेजे गए थे, इस बारे में सीबीआई अधिकारी मुंह नहीं खोल रहे हैं। सीबीआई ने दोनों जूनियर डॉक्टरों से पूछताछ की है। सीबीआई को यह भी जानकारी मिली है कि घोष के करीबी इन दोनों जूनियर डॉक्टरों के पीड़िता के साथ रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे थे। मृत डॉक्टर के कई सहपाठियों और अस्पताल के कई वरिष्ठ डाक्टरों और नर्सिंग स्टाफ से पूछताछ करने पर यह पता चला है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, सात अगस्त को ड्यूटी रोस्टर में अचानक बदलाव किया गया था। आठ अगस्त को दोनों जूनियर डाक्टर चेस्ट विभाग में ड्यूटी पर नहीं थे। सात अगस्त को संदीप घोष के आदेश पर दोनों की ड्यूटी लगाई गई थी। पिछले मार्च से चेस्ट डिपार्टमेंट के ड्यूटी रोस्टर की जांच की गई है। इसमें ड्यूटी में इस तरह के अचानक बदलाव के उदाहरण नहीं हैं।

धर्मतला में जूनियर डॉक्टरों की महासभा, शामिल हुए आम लोग समेत विभिन्न वर्गों के लोग

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या की पृष्ठभूमि में राज्य सरकार से अपनी 10-सूत्री मांगों के समर्थन में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों को रविवार की शाम नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों का भी साथ मिला। चिकित्सकों ने धर्मतला में आमरण अनशन स्थल पर एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य के स्वास्थ्य सचिव एन एस निगम को हटाने सहित उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो उनका आंदोलन और तेज हो जाएगा।

नागरिक समाज संगठनों के सदस्य तख्तियां लेकर, मोमबत्तियां जलाकर और महिलाओं द्वारा शंख बजाकर आंदोलनकारी चिकित्सकों के समर्थन में एकजुटता दिखाने के लिए रैली में शामिल हुए। ये आंदोलनकारी मृतक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों की मांगों के प्रति सहानुभूति जताते हुए चैती घोषाल, देबलीना दत्ता और सौम्या बनर्जी सहित बांग्ला फिल्म एवं टेलीविजन उद्योग के कई अभिनेताओं ने विरोध स्थल के पास एक दिन की भूख हड़ताल की। जूनियर डॉक्टरों के विरोध स्थल से लगभग दो किलोमीटर दूर ललित कला अकादमी के पास नुक्कड़ नाटक, गीत और कविता पाठ के साथ एक और विरोध सभा आयोजित की गई।

दिवाली से पहले कोलकाता से एक हजार किलो अवैध पटाखे जब्त, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दिवाली से पहले कोलकाता पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पोर्ट डिविजन के अधीन दो इलाकों से अवैध पटाखों से भरे दो वाहनों को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों वाहनों से जब्त पटाखों का वजन करीब एक हजार किलोग्राम है। दोनों वाहन के चालकों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गत शुक्रवार को वाटगंज थाना क्षेत्र में खिदिरपुर मोड़ व डीएच रोड क्रासिंग के पास एक मालवाहक वाहन को जांच के लिए रोका गया। तलाशी में उसमें पटाखों से भरे करीब 23 कार्टून मिले, जिनका वजन करीब 870 किलोग्राम था। चालक पटाखों से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया, जिसके बाद वाहन जब्त करने के साथ ही चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित का नाम शेख साहिल (21) है। वह दक्षिण 24 परगना के बजबज थाना क्षेत्र का निवासी है। मामले की शिकायत वाटगंज थाने में 9 बी (1) (बी) एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत दर्ज की गई है। उसी दिन शाम को एक अन्य घटना में पुलिस ने साउथ पोर्ट थाना क्षेत्र के सीजीआर रोड से गुजर रहे एक मालवाहक वाहन को जब्त किया, जिसमें करीब 240 किलोग्राम अवैध पटाखे मिले। आरोपित वाहन चालक मोइदुल मल्लिक (42) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जो महेशतला थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस जांच में जुटी है।

युवती से अपहरण की कोशिश

पुलिस के पीछा करने पर छोड़कर भागे अपहरणकर्ता

कोलकाता : भीड़भाड़ वाले रास्ते से युवती का अपहरण कर लिया गया।हालांकि कार से भागने पर भी अंत नहीं बचा। पिछली पुलिस कार्रवाई में अपहरणकर्ता युवती को छोड़कर इलाके से भाग गए। उत्तर 24 परगना के बनगांव थाना क्षेत्र के चंदा पंचिता इलाके में सनसनीखेज घटना है। कथित तौर पर कुछ युवकों ने स्थानीय बच्चे के नाम पर युवती को बुलाया। उसके बुलावे पर जैसे ही वह घर से बाहर निकला तो कुछ युवकों ने उसे कार में उठा लिया। वह सीधी कार लेकर इलाके से निकल गए।

उधर, घटना की खबर फैलते ही इलाके में हंगामा मच गया। कुछ लोगों ने कार का पीछा किया

लेकिन आखिरकार युवक को पकड़ने में असफल रहे। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। कुछ देर में खबर पुलिस तक पहुंच गई। इस बीच, घटना के विरोध में इलाके के लोगों ने शनिवार की रात बनगांव बागदा रोड के चंदा बाजार इलाके में सड़क जाम करना शुरू कर दिया। विरोध प्रदर्शन में लड़की के परिवार और रिश्तेदार भी शामिल हुए।आंदोलनकारियों की स्पष्ट मांग थी कि जब तक घेराबंदी करनेवाले पकड़े नहीं जाएंगे और लड़की को छुड़ा नहीं लिया जाएगा तब तक वे जाम से नहीं हटेंगे। इलाके में भारी ट्रैफिक जाम भी देखने को मिल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस इलाके में आ गई। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ काफी देर तक तीखी नोकझोंक हुई। तब तक पुलिस की दूसरी टीम ने लड़की के मोबाइल की लोकेशन ट्रैक करना शुरू कर दिया। यह तो आख़िर में पता चलता है। हालांकि उसी इलाके में पुलिस ने आखिरकार लड़की को उसके घर से कुछ दूरी से बचा लिया। यह खबर पाकर उत्तेजित भीड़ शांत हो गई लेकिन अपहरणकर्ता पकड़ में नहीं आए।

'नकाबपोश डॉक्टरों पर रखें नजर, प्रशासन को भेजी जाएगी सूची'

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर तृणमूल नेता कुणाल घोष ने साधा निशाना

पूर्व मेदिनीपुर/कोलकाता : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अपने सहकर्मी के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के बारे में तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष की विवादास्पद टिप्पणी से राज्य में चिकित्सा जगत के सदस्यों में खलबली मच गई है। घोष ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिलों में तैनात जूनियर डॉक्टरों की सूची तैयार करने की सलाह दी थी। घोष ने कहा कि जिलों में राज्य द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से जुड़े कई जूनियर डॉक्टर अपने निर्धारित ड्यूटी अवधि में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे कुछ घंटों के लिए ड्यूटी पर आते हैं और फिर निजी प्रैक्टिस करने के लिए

कोलकाता आ जाते हैं। इन डॉक्टरों की सूची तैयार करें, ताकि कानून के अनुसार उनके खिलाफ उचित प्रशासनिक कार्रवाई के लिए इसे राज्य सरकार को भेजा जा सके। तृणमूल नेता ने यह भी दावा किया था कि ऐसे जूनियर डॉक्टरों की सूची राज्य सरकार को भेजी जाएगी, जो समानांतर निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं, ताकि उनके खिलाफ मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके।

❑ जूनियर डॉक्टरों ने तृणमूल नेता पर किया पलटवार

दूसरी तरफ, आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों की संस्था पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ) ने कुणाल घोष की टिप्पणियों को विरोध आंदोलनों से जनता का ध्यान हटाने की एक चाल बताया है। डब्ल्यूबीजेडीएफ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि हम पिछले कुछ समय से कोलकाता में सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रहे हैं। ऐसी ही एक मांग है कि सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस मार्किंग सिस्टम को तुरंत लागू किया जाए। इससे पता चल जाएगा कि कौन नियमित रूप से उपस्थित हो रहा है और कौन नहीं। फिर, प्रशासन को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। एक अन्य प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर ने कहा कि मौजूदा स्थिति में घोष की ऐसी टिप्पणियां प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जनता को भड़काने का एक प्रयास है और वास्तव में यह धमकी-संस्कृति का एक और रूप है, जो राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में लंबे समय से व्याप्त है। उन्होंने कहा कि हमारी न्यायोचित मांगों के समर्थन में चल रहे हमारे आंदोलन से ध्यान हटाने के ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।

तृणमूल को चाहिए रियायत, भाजपा खिलाफ

❑ उपचुनाव को लेकर बंगाल में गृहयुद्ध, आयोग को पत्र

कोलकाता : पांच जिलों की छह विधानसभाओं में जल्द ही उपचुनाव होने वाले है। चुनाव आयोग से तृणमूल कांग्रेस ने रियायत की अर्जी लगा दी है। वहीं भाजपा ने मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) और मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर इन पांच जिलों में आवास योजना का सर्वे रोकने का अनुरोध किया है। राज्य में 21 से 30 अक्टूबर तक सर्वे का काम होना है।

भाजपा के मुताबिक इस सर्वे के दौरान वोटरों को घर दिलाने के नाम पर सीधे तौर पर लालच दिया जाएगा। मतदाता प्रभावित होंगे इसलिए, आयोग ने राज्य सरकार को चुनावी आचरण नियमों के अनुसार इस सर्वेक्षण को रोकने का निर्देश दिया। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब ने सर्वेक्षण के संबंध में सरकारी निर्देशों और भाजपा की मांगों वाला पत्र पहले ही चुनाव भवन, दिल्ली को भेज दिया है। उधर, जानकारी है कि राज्य सरकार ने पांच जिलों में सर्वेक्षण कार्य को चुनाव नियमों से मुक्त करने के लिए आयोग को आवेदन दिया है। फिलहाल फैसले की गेंद आयोग के पाले में है। अब देखना यह है कि क्या आयोग आवास योजना पर सर्वेक्षण जारी रखने के राज्य सरकार के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देता है या भाजपा की मांग के बाद राज्य को सर्वेक्षण रोकने का आदेश देता है। दोनों खेमे देख रहे हैं।

तृणमूल ने छह विधानसभा सीटों के उप-चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की छह विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के अनुसार, सिताई, मदारीहाट, नैहटी, हाड़ोआ, मेदिनीपुर और तालडांगरा विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा, और 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी। हाड़ोआ विधानसभा सीट से तृणमूल ने हाजी नुरुल इस्लाम के बेटे शेख रबीउल इस्लाम को अपना उम्मीदवार बनाया है। हाजी नुरुल के निधन के बाद खाली हुई इस सीट के लिए लंबे समय से उम्मीदवार की तलाश चल रही थी। कई नामों पर चर्चा होने के बाद आखिरकार उनके बेटे को टिकट दिया गया। वहीं, मेदिनीपुर विधानसभा सीट से तृणमूल ने सुजय हाजरा को उम्मीदवार बनाया है। सुजय तृणमूल के मेदिनीपुर जिलाध्यक्ष हैं और काफी समय से पार्टी के संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं। नैहाटी विधानसभा सीट से तृणमूल ने सनत दे को उम्मीदवार बनाया है, जो नैहटी में तृणमूल के टाउन अध्यक्ष भी हैं। सिताई से संगीता राय, मदारीहाट से जयप्रकाश टोप्पो, और तालडांगरा से फाल्गुनी सिंह उम्मीदवार बनाए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के इस फैसले से यह साफ है कि पार्टी ने स्थानीय नेतृत्व पर विश्वास जताया है। उल्लेखनीय है कि जिन छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें से अधिकांश सीटें तृणमूल के पास थीं, और उनके विधायकों के सांसद बनने के बाद ये सीटें खाली हुई हैं।

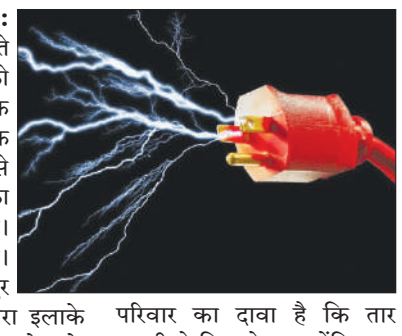

बिजली के झटके से महिला की मौत

कोलकाता : खिड़की के पास लटकते नंगी बिजली के तार को छूने के दौरान एक महिला की असामयिक मौत हो गई। घटना से सनसनी मच गई। मृतका का नाम तफूरा बीबी है। उम्र लगभग 55 वर्ष है। नदिया का घर शांतिपुर सूत्रगढ़ क्षेत्र के धाईपारा इलाके में है। उनके बेटे अरिफुल शेख के मुताबिक, मां कल आधी रात को खा-पीकर सो गईं। अचानक चीख सुनकर बाहर आया तो देखा कि मां खिड़की पर लटक रहे वैदिक तार से करंट की चपेट में आ गई है। उन्हें शांतिपुर स्टेट जनरल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मृतक के परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए। परिवार का दावा है कि तार गलती से गिरा होगा। क्योंकि बाद में पता चला कि बिजली की वायरिंग का कुछ हिस्सा पहले से ही खराब हालत में था और तभी इतना दुखद हादसा हो गया। रविवार को शांतिपुर पुलिस ने शव बरामद किया। फिर शव परीक्षण के लिए राणाघाट पुलिस मुर्दाघर भेज दिया गया। हालांकि, महिला की अचानक मौत से अब पूरा परिवार दुखी है।

शुवेंदु अधिकारी ने चिकित्सकों के साथ खड़े रहने का दिया संदेश

हावड़ा, समाज्ञा : राज्य में विपक्षी दल के नेता शुवेंदु अधिकारी ने डॉक्टरों के साथ खड़े रहने का संदेश दिया। हावड़ा के श्यामपुर में दौरे के लिए आए शुवेंदु अधिकारी ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह बाते कही। उन्होंने कहा कि, चिकित्सकों के सेकु-माकू को छोड़कर उनके अपने आंदोलन में डॉक्टरों के साथ खड़े रहने का संदेश दिया। बता दें कि, कुछ दिनों पहले श्यामपुर में तनाव का माहौल बना हुआ था। जिसके बाद, पूरे श्यामपुर थाना क्षेत्र में धारा 163 जारी कर दिया गया था। इस धारा के हटते ही शुवेंदु अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दिन उन्होंने श्यामपुर के कई क्षतिग्रस्त

मार्केट कॉम्प्लेक्स के साथ-साथ तोड़े गए पूजा मंडप का भी दौरा किया। शुवेंदु अधिकारी ने पुलिस के साथ बात-चीत की। गौरतलब है कि राज्य सरकार पहले ही डॉक्टरों को भूख हड़ताल खत्म कर बातचीत के लिए बैठने का संदेश दे चुकी है। हालांकि, अभी तक चिकित्सकों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

कृष्णा नगर हत्याकांड पर तृणमूल और भाजपा के बीच जुबानी जंग जारी

कोलकाता : नदिया जिले के कृष्णानगर में एक युवती की हत्या के मामले को लेकर तृणमूल और भाजपा के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा की ओर से विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और तृणमूल कांग्रेस की तरफ से पूर्व सांसद कुणाल घोष मोर्चा संभाले हुए हैं। दोनों नेताओं के परस्पर विरोधी बयानों ने राजनीतिक गरमाहट बढ़ा दी है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि युवती की योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस ने गलत सूचना देकर परिवार के सदस्यों को गुमराह किया और शव का जल्दी से अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर किया। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि ऑटोप्सी रिपोर्ट के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। दूसरी तरफ तृणमूल कांग्रेस समर्थित डॉक्टरों ने इसे आत्महत्या करार दिया है। शुभेंदु के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए, तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि यह व्यक्तिगत संबंधों का मामला है। कानून व्यवस्था और पुलिस को ऐसे मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। परेशानी होने पर वे अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 16 अक्टूबर यानी बुधवार सुबह कृष्णानगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से महज 500 मीटर की दूरी पर एक पूजा मंडप के सामने एक युवती का अधजला शव मिला था। आरोप है कि 12वीं कक्षा की छात्रा के साथ बलात्कार कर हत्या कर दी गई और हत्या के बाद सबूतों को मिटाने के लिए उसका चेहरा जला दिया गया। इस घटना में लड़की के बॉयफ्रेंड राहुल बोस को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि पीड़ित परिवार का दावा है कि उन्हें पुलिस पर भरोसा नहीं है।

सिलीगुड़ी में अग्निवीरों की भर्ती रैली 12 नवंबर से

❑ ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के सफल उम्मीदवारों को शारीरिक फिटनेस टेस्ट और मेडिकल परीक्षा के लिए बुलाया गया

सिलीगुड़ी : अग्निपथ योजना के तहत सेना में अग्निवीरों की भर्ती रैली 12 नवंबर से सिलीगुड़ी में आयोजित की जाएगी। कोलकाता में सेना भर्ती कार्यालय द्वारा शनिवार को एक बयान में बताया गया कि बंगाल में सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) सिलीगुड़ी और एआरओ बहरमपुर के अंतर्गत उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, मालदा, अलीपुरद्वार, कलिम्पोंग, दार्जिलिंग और नदिया, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पूर्व बर्दवान, पश्चिम बर्दवान जिलों के शार्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए यह भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इनमें उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, मालदा, अलीपुरद्वार, कलिम्पोंग व दार्जिलिंग जिलों के उम्मीदवारों के लिए 12 से 18 नवंबर तक जबकि नदिया, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पूर्व बर्दवान व पश्चिम बर्दवान के लिए 19 से 27 नवंबर तक भर्ती रैली आयोजित होगी। ये रैली बैकुंठपुर आर्मी ग्राउंड, सेवक मिलिट्री स्टेशन, बीएसएफ एसटीसी कैंप के सामने, सालुगाड़ा, सिलीगुड़ी में आयोजित की जाएगी। बयान में बताया गया कि ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस परीक्षा (सीईई) के सफल उम्मीदवारों, जिन्हें शार्टलिस्ट किया गया था, उन्हें भर्ती रैली के दौरान शारीरिक फिटनेस टेस्ट और मेडिकल परीक्षा के लिए इस भर्ती रैली में बुलाया गया है। सफल उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड पहले ही उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेज दिए गए हैं। ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट से भी उम्मीदवार अपने प्रोफाइल में लाग इन करके भर्ती रैली के लिए अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी प्रश्न या जिज्ञासा के लिए उम्मीदवारों को संपर्क नंबर 8900092194 (एआरओ सिलीगुड़ी), 03482-274132 और 9434584102 (एआरओ बहरमपुर) पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। सभी उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया के दौरान दलालों/एजेंटों के झांसे में नहीं आने की भी सलाह दी गई है। सेना की ओर से कहा गया है कि स्थानीय पुलिस और नागरिक प्रशासन के माध्यम से भर्ती रैली के दौरान ऐसे दलालों/एजेंटों और कदाचारियों को रोकने के लिए कड़े उपाय लागू किए गए हैं।

बंगाल दौरे में आइसीपी पेट्रापोल में नए यात्री टर्मिनल व मैत्री का उद्घाटन करेंगे गृह मंत्री शाह

24 अक्टूबर को बंगाल दौरे पर आएंगे गृह मंत्री

कोलकाता, समाज्ञा : दिवाली से पहले 24 अक्टूबर को बंगाल दौरे पर आ रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित एकीकृत चेकपोस्ट (आइसीपी) पेट्रापोल भी जाएंगे। गृह मंत्री वहां होने वाले कार्यक्रम में नए यात्री टर्मिनल व मैत्री द्वार का उद्घाटन करेंगे। शाह इस दौरान सीमा पर बीएसएफ के जवानों से भी मिलेंगे। सूत्रों के अनुसार, उनकी आगामी यात्रा के मद्देनजर पेट्रापोल भूमि बंदरगाह पर 22 अक्टूबर (मंगलवार) से 24 अक्टूबर (गुरुवार) तक आयात-निर्यात से जुड़ी सभी व्यापारिक गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। यह निर्णय वीवीआइपी यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है, ताकि गृह मंत्री की यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो सके और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जा सके। इस दौरान इस भूमि बंदरगाह के जरिए किसी भी प्रकार के आयात-निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी, ताकि सुरक्षा बलों और प्रशासन को आवश्यक तैयारी और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में कोई बाधा न आए। यह निर्णय सभी संबंधित पक्षों, जिसमें व्यापारिक संगठन और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं, की आपसी सहमति से लिया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित पेट्रापोल भूमि बंदरगाह दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों (आयात-निर्यात) और आवाजाही का एक प्रमुख जरिया है। दक्षिण एशिया का यह सबसे बड़ा भूमि बंदरगाह है। यहां पर एक आधुनिक यात्री टर्मिनल बनाया गया है। इसका काम पूरा हो चुका है। बस अब उद्घाटन होना बाकी था। इस नए टर्मिनल की खासियत यह है कि यहां एयरपोर्ट की तरह कैफेटेरिया और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। नया टर्मिनल प्रतिदिन 20,000 से अधिक यात्रियों और किसी भी समय 2,500 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। सूत्रों ने बताया कि 60,000 वर्गमीटर

में फैला नया टर्मिनल भवन विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस है। वहीं, मैत्री द्वार में आठ लेन का वाहन प्रवेश चैनल बनाया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच निर्यात और आयात के लिए माल की आवाजाही कई गुना बढ़ जाएगी।

page 4_page11 21-10-2024 01:06 Page 1

बदहाल निकासी व्यवस्था की शिकायत करने पर स्थानीय लोगों से बदसलूकी

पार्षद ने लगाया पति की पिटाई का आरोप

कोलकाता : विधाननगर में बदहाल जल निकासी व्यवस्था से लोग परेशान हो गए है। विधाननगर वार्ड नंबर 14 के निवासी की शिकायत है कि सड़कों पर जमा पानी से तंग आ चुके हैं। पार्षद काम नहीं करते। इसकी शिकायत करने गए लोगों पर कांग्रेस पार्षद के पति से मारपीट करने का आरोप लगा। शिकायत का कोई असर नहीं हुआ। आरोप है कि इसलिए

स्थानीय लोगों ने कांग्रेस पार्षद गीता सरदार के पति को परेशान किया। घटना को लेकर इको पार्क थाने में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। उधर, स्थानीय लोगों ने उत्पीड़न से इनकार किया है और बदले की कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उनके अनुसार शनिवार जब वे उनके (पार्षद पति) के पास गया लेकिन पार्षद नीचे नहीं आईं। उनके पति ऑफिस में बैठे थे। वे फिर वह बार-बार एक ही बात कहते हैं कि वह इस बारे में कुछ नहीं कर सकते।स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्होंने पार्षद पति को किसी भी तरह से 'टच' नहीं किया। वह गलत आरोप लगा रहे हैं। आरोप है कि उल्टे स्थानीय लोगों की पिटाई की गई।

खबर यह है कि पिछले छह माह से जल निकासी की स्थिति खराब है। बार-बार इसकी शिकायत करने के बाद भी पार्षद कोई महत्व नहीं दे रहे हैं। इस बीच, पार्षद का दावा है कि जगह-जगह पानी जमा हो रहा है। स्थानीय लोग इसे पहले भी ब्लॉक कर चुके हैं।उनके अनुसार वे पहले खुद वहां गया और काम शुरू किया। उनमें से तीन या चार एक साथ आ सकते हैं और बात कर सकते हैं। लेकिन कल उन्होंने उनके पति की हत्या कर स्थिति पैदा कर दी। उनका परिवार दहशत में है इसलिए उन्होंने पहले ही पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा दी है।

फरक्का में मॉब लिंचिंग में एक युवक की मौत

चोरी करने आया था रंगे हाथ पकड़ाया

मुर्शिदाबाद : राज्य में फिर सामूहिक पिटाई से एक युवक की मौत हो गई। चोर को रंगे हाथ पकड़ने के बाद स्थानीय लोगों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने आकर उसे बचाया और अस्पताल ले गई, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने रविवार दोपहर तक इस घटना में किसी को गिरफ्तार या हिरासत में नहीं लिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृत युवक का नाम करीम शेख है। उम्र 27 साल है। बड़ी फरक्का प्रखंड महादेवनगर ग्राम पंचायत मध्य महादेवनगर का करीम पेशे से दिहाड़ी मजदूर था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार कई दिनों से चोरों की

समस्या से इलाके में काफी भय व्याप्त था। एक के बाद एक घर में चोरी हो रही थी। स्थानीय लोगों के अनुसार शनिवार की सुबह चार बजे करीम शेख को गोपालनगर के एक घर में चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। तभी आक्रोशित ग्रामीणों ने युवक की पिटाई शुरू कर दी। सूचना पाकर फरक्का थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाकर जंगीपुर उपजिला अस्पताल भेजा गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृत युवक के परिवार ने दावा किया कि अगर करीम ने चोरी भी की थी, तो स्थानीय निवासियों को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए था और उसे पीट-पीटकर मार नहीं देना चाहिए था।उन्हें आरोपी को पुलिस के हवाले कर देना चाहिए था। उन्होंने दोषियों को सजा देने की मांग की। बाद में पुलिस सूत्रों के अनुसार मृत युवक के परिजनों ने फरक्का थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में एक दिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल

❑ संग्रामी मंच के साथ 70 बैठे

कोलकाता : जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन को समर्थन पर संग्रामी संयुक्त मंच के सदस्य शहीद मीनार पर सांकेतिक भूख हड़ताल पर बैठे। रविवार सुबह से संगठन के संयोजक भास्कर घोष समेत 70 लोग शहीद मीनार की तलहटी में 24 घंटे की सांकेतिक भूख हड़ताल पर बैठे हैं। भूख हड़ताल में कुछ स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए। इसके अलावा नेतृत्व ने 'खतरे की संस्कृति' के विरोध में 29 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक हर सरकारी कार्यालय में प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। संग्रामी संयुक्त मंच के संयोजक भास्कर घोष ने कहा कि जूनियर डॉक्टरों की 10 सूत्री मांग जायज है। सरकार को उनकी मांगें तुरंत मान लेनी चाहिए।

हावड़ा वेलफेयर ट्रस्ट ने दीपावली पर सैकड़ों जरूरतमंदों में बांटी खुशियों की सौगात

हावड़ा : जिनके लिए दो वक़्त की रोटी जुटाना मुश्किल हो उनके लिए क्या तो दिवाली और क्या इसकी खुशियां। लेकिन शहर की स्वनामधन्य सामाजिक संस्था 'हावड़ा वेलफेयर

ट्रस्ट' ने हमेशा की भांति इस बार भी ऐसे लोगों की दीपावली जगमग करने के लिए इस उपलक्ष्य में गंगासागर के सड़क न. 5 पर स्थित अपने भवन 'राधा कुंज' में साड़ी एवं मिठाई वितरण का आयोजन किया और लगभग 500 से ज्यादा महिलाओं में नई साड़ियाँ और मिठाई वितरित की। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्राण पुरुष व सेवा प्रमुख श्री सत्यनारायण खेतान (मामाजी) ने कहा कि पर्व त्यौहारों पर आडंबर की बजाय ऐसे कार्य होने चाहिए जिससे जरूरतमंदों के जीवन में भी खुशियों का संचार हो सके। इस अवसर पर सर्वश्री संजय अग्रवाल, राजेश कुमार सिंह, डा. कल्याण घोष, बिनोद साव, प्रवीण कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, हरि राम आदि विशेष रूप से सक्रिय रहे। उल्लेखनीय है कि हावड़ा शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए समर्पित व अनेकानेक सेवाकार्यों में संलग्न हावड़ा वेलफेयर ट्रस्ट इस साल अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष (25 वां वर्ष) मना रहा है।

बीएसएफ ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बांग्लादेशी बेटियों को उनके दिवंगत भारतीय पिता के अंतिम दर्शन कराए

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेशी बेटियों और उनके दिवंगत भारतीय पिता के बीच एक हृदयस्पर्शी पुनर्मिलन की सुविधा प्रदान करके सुरक्षा और करुणा दोनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। यह घटना 19 अक्टूबर को बीएसएफ की 107वीं बटालियन के अधिकार क्षेत्र में सीमा चौकी पंचबेरिया के पास जीरो लाइन (अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा) पर हुई। यह घटना तब सामने आयी जब मृतक के रिश्तेदारों ने पांचबेड़िया सीमा चौकी के कंपनी कमांडर को पांचबेड़िया सीमावर्ती गांव की निवासी खोडेजन मंडल के निधन की सूचना दी। उनकी बेटियां, जो बांग्लादेश की ओर सीमावर्ती गांव कदमतला में रहती हैं और उन्होंने अपने दिवंगत पिता को अंतिम विदाई देने की इच्छा व्यक्त की।

इस अनुरोध के गहरे भावनात्मक महत्व को समझते हुए, कंपनी कमांडर ने दुख की इस घड़ी में बेटियों को उनके मृतक पिता से मिलने की सुविधा के लिए त्वरित और सहानुभूतिपूर्ण कार्रवाई की। बीएसएफ ने बीजीबी के साथ समन्वय करके मृतक खादेजन मंडल की बेटियों और रिश्तेदारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जीरो लाइन पर उनके अंतिम दर्शन की व्यवस्था की।

इस अवसर पर बोलते हुए, एन.के. पांडे, डीआईजी, जनसंपर्क अधिकारी, बीएसएफ, दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने कहा, बीएसएफ के जवान न केवल दिन-रात सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोगों की मानवीय और सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भी तैयार रहते हैं।

बकरी के घास चरने को लेकर विवाद में वृद्ध की पीटकर हत्या

मुर्शिदाबाद : दूसरे की जमीन पर बकरी के घास खाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना मुर्शिदाबाद जिला अंतर्गत हरिहरपाड़ा थाने के निशिंतपुर इलाके में रविवार की दोपहर को हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृत व्यक्ति का नाम सुबल मंडल (58) है। वह निशिंतपुर गांव के रहने वाले थे। खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रोज की तरह रविवार की सुबह सुबल अपने घर के पास एक खेत में बकरी चरा रहा था। तभी, उसकी दो बकरियां विश्वनाथ नाम के एक आदमी की जमीन पर चली गईं

और वहां घास खाने लगीं। इस घटना को लेकर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान विश्वनाथ और उसके साथ मौजूद कुछ अन्य लोगों ने अचानक सुबल को लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटना शुरू कर दिया। सुबल घायल होकर गिर पड़ा। आस-पास के ग्रामीण सुबल को बहरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड स्वामित्व के मुकदमे में टैफे के पक्ष में आयी अंतरिम निषेधाज्ञा

कोलकाता, समाज्ञा

मैसी फ़र्ग्यूसन के ब्रांड स्वामित्व अधिकारों पर विवाद में टैफे ने एजी-सीओ की सहायक कंपनी मैसी फर्ग्यूसन कॉर्पोरेशन के खिलाफ माननीय मद्रास उच्च न्यायालय में एक सिविल मुकदमा दायर किया था, जिसमें यह दावा किया गया था कि उक्त ट्रेडमार्क विशेष रूप से भारत में टैफे का प्रतीक है और यह विशेष रूप से टैफे के स्वामित्व में है तथा यह घोषित करने की मांग की गई थी कि भारत में मैसी फ़र्ग्यूसन ब्रांड/ट्रेडमार्क का स्वामित्व टैफे के पास है। इसने एजीसीओ के मैसी फर्ग्यूसन कॉर्पोरेशन और उनके प्रतिनिधियों को किसी भी तरह से एमएफ ब्रांड/ट्रेडमार्क पर टैफे के विशेष उपयोग में हस्तक्षेप करने और मुकदमे का निपटान होने तक खुद को मैसी फ़र्ग्यूसन ब्रांड/ट्रेडमार्क का मालिक/स्वामी/अधिकार धारक आदि के रूप में प्रस्तुत करने से रोकने के लिए अंतरिम निषेधाज्ञा मांगी थी। उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद, 17 अक्टूबर सुनाए गए अंतरिम आदेश द्वारा टैफे के पक्ष में उपरोक्त निषेधाज्ञा राहतें प्रदान की। माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश का विवरण शीघ्र ही अपेक्षित है।

कटवा में तीन साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न के आरोप में वृद्ध गिरफ्तार

पूर्व बर्दवान : जिले के कटवा में एक वरिष्ठ नागरिक को तीन साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी को शनिवार की देर रात गिरफ्तार किया गया था। रविवार को आरोपी को जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर आगे की पूछताछ के लिए उसकी पुलिस हिरासत की मांग करेंगे। आरोपी को पॉक्सो एक्ट 2012 की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता की मां के

अनुसार, आरोपी ने मेरी तीन साल की बेटी को बिस्कुट खिलाने के लिए अपने घर बुलाया। उसने इसका फायदा उठाकर मेरी बेटी का यौन शोषण किया। वह बहुत रोती हुई घर वापस आई और उसने मुझे बताया कि उसके साथ क्या हुआ है। महिला ने घटना की जानकारी अपने पड़ोसियों को दी तो वे भड़क गए। उनमें से कुछ लोग आरोपी के घर पहुंचे और उसे उसके घर में बंद कर दिया। इसके बाद लोगों ने स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता को भी जांच के लिए काटोया सब डिवीजन अस्पताल भेजा गया। पीड़िता अभी भी अस्पताल में निगरानी में है। हालांकि, उसकी हालत स्थिर है।

रविवार की रात करवा चौथ पर चांद की पूजा करती महिलाएं

चलती जियो कार में लगी भयानक आग

कोलकाता : चलती जियो कार में भीषण आग लगने से कई यात्री घायल हो गए। यह घटना दक्षिण चौबीस परगना काकद्वीप में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 117 के आश्रम इलाके में हुई। स्थानीय पुलिस सूत्रों के मुताबिक जियो कार में सवार एक यात्री ने पेट्रोल लिया। पुलिस को संदेह है कि कोई ज्वलनशील पदार्थ ले जाया जा रहा था। और देखते ही देखते आग पूरी कार में फैल गई। सूचना काकद्वीप थाने व अग्निशमन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पाया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक कार में सवार कई यात्रियों की हालत गंभीर है। उन्हें काकद्वीप उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महानगर में गॉलब्लैडर कैंसर से पीड़ित महिला का सफल ऑपरेशन

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर की एक महिला का हाल ही में गॉलब्लैडर कैंसर का एक सफल ऑपरेशन किया गया। महिला पेट में तेज दर्द से पीड़ित थी। जांच में पता चला कि महिला को गॉलब्लैडर कैंसर है, जो पेट को भी प्रभावित कर रही है। पीड़ित महिला दक्षिण भारत के कई अस्पतालों में गई थी लेकिन अस्पतालों में सर्जरी से मना कर दिए जाने के बाद महिला को मल्टीऑर्गन रिसेक्शन से गुजरना पड़ा। अंत में महिला का ऑपरेशन कोलकाता के लैप्रोस्कोपी और ऑन्कोसर्जरी कंसल्टेंट जीआई सर्जन डॉ. संजय मंडल ने किया। जहां पीड़ित महिला को लीवर के एक हिस्से के साथ गॉलब्लैडर की थैली और पेट के डुओडेनम के एक हिस्से के साथ-साथ सभी आसन्न लिम्फ नोड्स को हटाने के लिए बड़ी सर्जरी से गुजरना पड़ा। ऑपरेशन के बाद उसे एटॉमिक रिसाव की गंभीर जानलेवा जटिलता हो गई। महिला को आईसीयू में रखना पड़ा। बाद में हालत में सुधार देखते हुए महिला को छुट्टी दे दी गई।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी का 140 वाँ गौ-कार्यकर्त्ता सम्मेलन संपन्न

❑ गोपाष्टमी महोत्सव 2024 को ऐतिहासिक मेला बनाने के लिए गौभक्तों में प्रबल उत्साह

कोलकाता : 140 वर्षों से गौसेवा को समर्पित देश की एकमात्र संस्था कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी ने इस बार आगामी 9 नवंबर 2024 को गोपाष्टमी मेले का आयोजन कर जन-जन को गौ सेवा और गोपूजा से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसकी अग्रिम तैयारी की विवेचना हेतु रविवार, 20 अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानन्द रोड स्थित हरियाणा भवन में आयोजित गौ-कार्यकर्ता सम्मेलन में कोलकाता तथा हावड़ा क्षेत्र के सैकड़ों गौभक्तों ने बढ़ चढ़

कर हिस्सा लिया तथा सबने मिल कर इस वर्ष गोपाष्टमी पर्व पर कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर व दक्षिण 24 परगना और इनसे लगे इलाकों में सर्वत्र लगभग 125 गौ पूजन केंद्रों की स्थापना के प्रति अपना सहर्ष स्थान प्रदान किया है।

सम्मेलन में महामंत्री पवन टीबडेवाला, गोपाष्टमी मेला अध्यक्ष देवकीनंदन तोदी, उपाध्यक्ष रामस्वरूप अग्रवाल, दक्षिण कोलकाता के प्रभारी बिमल मलावत, उत्तर कोलकाता के प्रभारी राजकमल बांगड, हावड़ा से प्रभारी कमल गुप्ता, मध्य कोलकाता क्षेत्र के प्रभारी मनोज लुहारीवाला, लिलुआ शाखा सचिव दीपक मुरारका, कल्याणी शाखा सचिव सुरेन्द्र पटवारी, कामधेनु सचिव संदीप तुलसियान, सह सचिव द्वारिका प्रसाद अग्रवाल, सोसाइटी के प्रचार सचिव सुरेंद्र चमडिया, गोभक्त मनमोहन चौधरी ने अपना वक्तव्य दिया।

इस कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से बिनोद केडिया, अजय शाह, विजय निगनिया, अजीत सरावगी, कमल केडिया, हर्ष डागा, अनुराग गुप्ता, विष्णु पसारी, प्रदीप जयदेवका, सुरेश अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, भागचंद मूंदड़ा, अशोक ढानेवाला, प्रमोद चमड़िया, संजय चौधरी, ओमप्रकाश मिश्रा, जनार्दन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, बगड़िया, सुनीता बुबना, कमल शर्मा, उमाशंकर चमडिया, रवि बामलवा, अभिषेक चमड़ियां, एवं अनेकानेक गौभक्त उपस्थित रहे।

गोलोक चाकुलिया ध्यान फाउंडेशन की पंचदिवसीय गोकथा का तृतीय दिवस

मनुष्य को अगर सुख चाहिए तो करनी होगी गो-सेवा : साध्वी श्रद्धा दीदी

कोलकाता : 'बहुत सारे लोग गो माता को 84 लाख योनियों का साधारण जीव समझते है लेकिन ऐसा कदापि नहीं है। यह इससे एकदम परे है। गो माता मूल गोलोक धाम निवासिनी हैं और इस धरती पर केवल और केवल मानव जाति का कल्याण करने के लिए पधारी हैं और निरंतर मानव जाति का कल्याण कर रही हैं।' यह उद्गार आज उल्टाडांगा के निकट विधान गार्डेन के विशाल प्रांगण में गोलोक चाकुलिया, ध्यान फाउंडेशन, कोलकाता की ओर से बांग्लादेश सीमा पर भारतीय सीमा सुरक्षा बलों द्वारा बचाए गए 20500 गोवंशों की व्यापक सेवा सुश्रुषा हेतु आयोजित पंचदिवसीय अमृतमयी गो कृपा कथा के तीसरे दिन की कथा सुनाते हुए परम पूज्या साध्वी श्रद्धा गोपाल सरस्वती दीदी जी ने व्यक्त किये। उन्होंने गोलोक को वैकुण्ठ से ज्यादा दिव्य बताते हुए

गो माता के धरती पर अवतरण का प्रसंग सुनाया और प्रसंगवश कहा कि हमारे लिए परम हितकारी गो माता के साथ भी लोग अन्याय करने से भी नहीं चूक रहे। पूज्या साध्वी श्रद्धा दीदी ने कामधेनु के प्राकट्य की कथा सुनाते हुए कहा कि हमें जब कुछ चाहिए तो हम भगवान से याचना करते हैं, प्रार्थना करते हैं लेकिन वहीं सृष्टि के त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु, महेश को अगर कुछ चाहिए तो वो गौमाता से प्रार्थना करते हैं। अतः गो माता किसी साधारण जन की इच्छा पूरी करे तो कोई बड़ी बात नहीं, गो माता तो देवताओ की भी इच्छा पूरी करती हैं। श्रद्धा दीदी ने कामधेनु द्वारा ब्रह्मा जी की इच्छापूर्ति का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि मनुष्य अगर इस धरती पर सुख चाहता है तो उसका एकमात्र साधन है गो माता की सेवा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिस प्रकार पानी को चाहे कितना भी मथ लीजिए , मक्खन नहीं निकल सकता ठीक उसी प्रकार गौ-सेवा के अलावा आप कितने भी साधन कर लीजिए, सच्चा सुख नहीं मिल सकता।

आज कथा शुभारंभ से पूर्व आज के मुख्य कथा यजमान राम स्वरूप अग्रवाल ने सपत्नीक व्यास पीठ का पूजन किया जबकि इमामी समूह के संयुक्त चेयरमैन राधेश्याम गोयनका, सुमित शाह (जमशेदपुर), रामकिशन राठी, हरियाणा जागृति संघ के प्रमुख राजेश अग्रवाल, जगदीश मूंधड़ा, अशोक मूंधड़ा, संतोष खेरिया, पार्षद मीना पुरोहित गणमान्य लोगों ने भी व्यास पीठ को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गोलोक चाकुलिया के अन्यतम आधार स्तंभ राजकुमार अग्रवाल (जमशेदपुर) ने गोलोक चाकुलिया में चल रही गोसेवा पर प्रकाश डालते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे एकबार अवश्य इस गौ धाम का परिदर्शन करें। इस अवसर पर मनमोहन चौधरी, पवन माधोगढ़िया, सुभाष मुरारका, बिनोद सुल्तानिया, बिनोद केडिया, पुरुषोत्तम मिमानी आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रकाश चंडालिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। आयोजकों ने बताया कि 22 अक्टूबर तक चलने वाली इस कथा के चतुर्थ दिवस कथा का समय दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक होगा।

मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के शिविर में 680 मरीजों का उपचार, 340 को चश्में

कोलकाता, समाज्ञा : मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी कोलकाता की ओर से रविवार को राज्य में दो स्थानों पर नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। एक शिविर हल्दिया में आगमनी ब्रह्मचारी कल्याण समिति के सहयोग से एवं एक अन्य शिविर रिषड़ा में शोभा जीव कल्याण ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया गया। दोनों शिविरों में कुल 680 मरीजों का उपचार किया गया। नेत्र परीक्षण के दौरान 340 मरीजों की नजर कमजोर पाई गई जिन्हें चश्में निःशुल्क प्रदान किए गए। 70 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के योग्य पाए गए। इनके ऑपरेशन कोलकताता के मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पाल में निःशुल्क किए जाएंगे। शिविर में आए सभी मरीजों की ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर जैसी जांचें निःशुल्क की गई। मरीजों को उनकी जरूरत के मुताबिक दवाएं निःशुल्क प्रदान की गई। मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के कैम्प को-ऑर्डिनेटर अजय दिवाकर ने बताया कि मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के प्रधान सचिव प्रह्लाद राय गोयनका की प्रेरणा से आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में डॉ. मलय दास, डॉ. शंकर मंडल, डॉ. अनिर्बन धार, डॉ. सुकांता राय का योगदान सराहनीय रहा। दिवाकर ने बताया कि सोसायटी के अस्पताल में स्वास्थ्य साथी कार्ड धारकों के इलाज की सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल में आम नागरिकों को न्यूनतम शुल्क पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

उत्तर कोलकाता अल्पसंख्यक मोर्चा ने चाय पर चर्चा का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा रविवार की शाम वॉर्ड 41 में चाय पर चर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल ट्रेड सेल के सह-संयोजक कमल सिंह, पार्षद मीना देवी पुरोहित, कमलेश सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह समेत भाजपा के नेतागण शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला अध्यक्ष शाह आलम, महासचिव अब्दुल का योगदान रहा।

बेयर का बेपैनथेन भारत में लॉन्च, सर्वे में पता चला – हर दूसरा भारतीय झेल रहा है सूखी त्वचा की परेशानी

कोलकाता, समाज्ञा : बेयर के कंज्यूमर हेल्थ डिवीजन ने दुनिया के जाने माने स्किनकेयर ब्रांड बेपैनथेन को भारतीय बाजार में उतार दिया है। साथ ही भारतीय त्वचा विशेषज्ञों के बीच इप्सोस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में भी इस बात पर जोर दिया गया है कि आम लोगों में शुष्क त्वचा की समस्या बहुत ज्यादा है। 82% त्वचा विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि मरीज़ बार-बार होने वाली शुष्क त्वचा को सिर्फ़ शुष्क त्वचा मानकर अनदेखा कर देते हैं, जबकि उन्हें यह नहीं पता होता कि इसके पीछे कोई खास त्वचा संबंधी समस्या हो सकती है। बेयर के कंज्यूमर हेल्थ डिविजन में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के कंट्री हेड संदीप वर्मा ने कहा, बेपैनथेन के उत्पाद सिर्फ मॉइस्चराइज़िंग से कहीं बढ़कर हैं, वे ऐसे लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो अक्सर अपनी त्वचा के स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ करते हैं। एमबीबीएस डीवीडी के वरिष्ठ त्वचा विशेषज्ञ डॉ. रत्नपाल शाह ने कहा, एक्जिमा और डर्मेटाइटिस के उपचार में बेपैनथेन रेंज की क्लीनिकल प्रभावशीलता काफी महत्वपूर्ण है। इन समस्याओं का प्रभावी ढंग से उपचार करना पूरे त्वचा स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

पेप्सिको इंडिया और द सोशल लैब ने कोलकाता में किया प्लग रन का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पेप्सिको इंडिया ने द सोशल लैब (टीएसएल) के साथ मिलकर पॉली पार्क, धूलागढ़, हावड़ा, पश्चिम बंगाल में प्लग रन के 6वें संस्करण का आयोजन किया। यह पहल अपने मुख्य उद्देश्य 'प्रगति की भागीदारी' की भावना को दर्शाती है, जो संगठनों और समाज को साथ मिलकर काम करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में अमृता बर्मन रॉय, एसडीओ, सदर, हावड़ा जिला और बुद्धदेब बनर्जी, डिप्टी जीएम, डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रियल सेंटर, हावड़ा उपस्थित थे। गौरव कुमार, प्लांट हेड- कोलकाता, पेप्सिको इंडिया और मुकेश पात्रो, रीजनल चीफ टेक्निकल ऑफिसर, वीबीएल सोनारपुर, कोलकाता ने प्लग रन को हरी झंडी दिखाई। जिसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें कर्मचारी, वॉलेन्टियर्स और स्थानीय नागरिक शामिल थे। प्रतिभागियों ने 360 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया जिसे आगे के उपयोग के लिए छांटा और रिसाइकल्ड किया जाएगा।

पीएम मोदी ने रखी बागडोगरा हवाई अड्डे के विस्तार की आधारशिला

सिलीगुड़ी/वाराणसी : उत्तर बंगाल को पीएम मोदी ने एक बार फिर विकास की सौगात दी है। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी के निकट बागडोगरा हवाई अड्डे का विस्तार किये जाने की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी निमंत्रण दिया गया था। लेकिन वह इस कार्यक्रम में नहीं आई थीं। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल का उद्घाटन किया। यह अस्पताल विभिन्न नेत्र रोगों के लिए व्यापक

परामर्श और उपचार प्रदान करता है। पीएम मोदी ने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

बागडोगरा हवाई अड्डे का विस्तार किये जाने के कार्यक्रम में सीएम ममता की जगह पर सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव उपस्थित थे।

बता दें कि हवाई अड्डे के विस्तार की इस परियोजना में 1,550 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह 6,700 करोड़ रुपये की 23 विकास परियोजनाओं में से एक थी, जिसका अनावरण प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में ऑनलाइन माध्यम से किया।अधिकारियों ने बताया कि बागडोगरा हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव में 70,390 वर्ग मीटर में एक टर्मिनल भवन होगा, जिसमें व्यस्त समय में 3,000 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी तथा वार्षिक क्षमता एक करोड़ यात्रियों को संभालने की होगी। उन्होंने कहा कि नया टर्मिनल भवन पर्यावरण अनुकूल होगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत किया जाएगा तथा पारिस्थितिकी प्रभाव को कम करने के लिए प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था को अधिकतम किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त में इस परियोजना को मंजूरी दी थी।सिलीगुड़ी से 14 किलोमीटर दूर स्थित बागडोगरा हवाई अड्डा उत्तरी पश्चिम बंगाल में एक प्रमुख विमानन केंद्र है, जहां प्रतिदिन लगभग 60 उड़ानों का संचालन होता है।

डोमजूर निवासी स्टेट बैंक के एसिसटेंट मैनेजर पिछले एक महीने से रहस्यमय तरीके से लापता

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा के डोमजूर निवासी एक व्यक्ति पिछले एक महीने से रहस्यमय तरीके से लापता है। लापता व्यक्ति का नाम दीपायन पाल है। वह पूर्व मेदिनीपुर के तमलुक के स्टेशन बाजार शाखा में एक स्टेट बैंक में एसिसटेंट मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं। वह तमलुक में किराये के घर में रहता था। मिली जानकारी के अनुसार, गत 20 सितंबर को वह बाइक से ऑफिस से निकले। जिसके बाद से उसका कुछ पता नहीं है। बताया जा रहा है कि दीपायन को आखिरी बार बाइक से बैंक की निमतौरा शाखा में जाते देखा गया था।

परिवार का दावा है कि उन्होंने कई बार दीपायन को फोन किया लेकिन उसका फोन बंद था। इसके बाद, उसकी पत्नी मौमिता घोष पाल ने तमलुक थाने में दीपायन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

दीपायन के माता-पिता ने बताया कि उनका बड़ा बेटा काम के सिलसिले में अमेरिका में रहता है। वे दोनों अपने पोते के जन्मदिन के मौके पर अमेरिका गए थे। वहां उन्हें खबर मिली कि छोटा बेटा दीपायन रहस्यमय तरीके से गायब हो गया। जिसके बाद वे लौटे। जांच में यह भी पता चला है कि दीपायन की आठ महीने पहले शादी हुई थी। शादी के बाद से पति-पत्नी के बीच अशांति रहती थी। दीपायन के पिता रंजन पाल ने बताया कि अभी तक फिरौती के लिए भी कोई फोन नहीं आया है। पुलिस ने बैंक शाखा के बाकी कर्मचारियों से भी बातचीत की, लेकिन फिर भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। इस मामले की जांच जारी है।

यात्रियों से भरी ट्रेकर पलटने से एक की मौत, तीन गंभीर

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद के डोमकोल में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यात्रियों से भरी ट्रेकर पलटने से एक वृद्ध की मौत हो गई। पांच घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। ड्राइवर फरार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृत युवक का नाम रेजाउल करीम है। उम्र 75 साल है। वह भागीरथपुर के भुबनपुर का रहने वाला है। गोलेनूर बीबी गंभीर रूप से घायल हो गईं। वह मृतक रेजाउल करीम की बेटी है। अन्य घायलों में एसराफिल मिया, उनकी पत्नी मेमजान बीबी शामिल हैं। डोमकल के रायपुर इलाके में घर में साथ ही डोमकल महेसियापाड़ा की लक्ष्मी साहा, हबीबा खातून भी घायल हो गई। तीन की हालत गंभीर है। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। वहां डॉक्टरों ने रेजाली को मृत घोषित कर दिया।

अमेरिकन ईस्ट कॉस्ट यूनिवर्सिटी ने वरिष्ठ पत्रकार संजय हरलालका को मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की

कोलकाता, समाज्ञा : अमेरिकन ईस्ट कॉस्ट यूनिवर्सिटी द्वारा रविवार को दिल्ली के ललित होटल में 'मास एंड मीडिया कम्युनिकेशन' पर वरिष्ठ पत्रकार संजय हरलालका को मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन गोयनका और दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़ीया द्वारा समारोह स्थल पर उपस्थित होकर अभिनंदन किया गया।

चिकित्सकीय लापरवाही से युवक की मौत

❑ **बालुरघाट अस्पताल में हंगामा**

बालुरघाट : बालुरघाट जिला अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही से मरीज की मौत की एक और शिकायत सामने आई है। मृतक के परिजन स्वास्थ्य कर्मियों व डॉक्टरों को घेर कर प्रदर्शन करने लगे जिससे अस्पताल परिसर में हंगामा मच गया। पुलिस ने जाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक मृत युवक का नाम आदित्य महंत है। वह बालुरघाट खासपुर इलाके का रहने वाला है। युवक दिल्ली में मजदूरी करता था। वह पूजा के लिए घर आया था। सांस की

बीमारी के कारण उन्हें पिछले गुरुवार रात बालुरघाट जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार दोपहर से उनकी हालत बिगड़ने लगी। देर रात युवक की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर के समय पर नहीं आने और उचित सेवा नहीं मिलने के कारण आदित्य की मौत हो गई।

उन्होंने यह भी दावा किया कि हालांकि शारीरिक स्थिति बिगड़ रही थी, लेकिन ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा यह भी आरोप है कि मरीज को शारीरिक जांच के लिए सुपर स्पेशियलिटी वार्ड तक ले जाने में स्वास्थ्य कर्मियों की सहायता नहीं मिली। मृतक के परिवार ने उस रात अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस ने जाकर स्थिति को नियंत्रित किया. परिजनों ने बताया है कि वे थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे। इस संबंध में अस्पताल अधिकारियों से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सीकर नागरिक परिषद का 96वां निःशुल्क चिकित्सा एवं नेत्र शिविर आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) द्वारा रविवार को मदन मंडल स्ट्रीट, जोड़ाबागान में निःशुल्क सामान्य चिकित्सा शिविर और नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 160 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 139 मरीजों को चश्मे योग्य पाए गए 93 मरीजों को तुरंत चश्मे प्रदान किए गए, जबकि एक मरीजों का ऑपरेशन योग्य पाया गया जिनका जल्द ही ऑपरेशन करवाया जा रहा हैं। उक्त जानकारियां संयोजक रतन कुमार सीकरिया ने दी। परिषद अध्यक्ष अरविंद बियानी एवं सचिव रवि शंकर ने बताया कि अध्यक्ष एमिरेट्स घनश्याम प्रसाद सोभासरिया की अनुप्रेरणा से शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। उन्होंने बताया कि इस शिविर का आयोजन गोपी राम पंसारी के सहयोग से किया गया। साथ ही, उन्होंने बताया सीकर भवन के पास यथावत इस सप्ताह में बनवारी लाल मित्तल, रामनाथ झुनझुवाला, प्रेमलता सीकरिया, सावरमल मुरारका, राधेश्याम अग्रवाल (मुम्बई), एवं परिषद परिवार के सहयोग से प्रतिदिन 550 लोग में खिचड़ी महाप्रसाद वितरण किया गया। शिविर को सफल बनाने में मनोज मित्तल, राजकुमार अग्रवाल, मधुसूदन बियानी, गोपाल सीकरिया, सुरेश अग्रवाल, शुभम सिन्हा, राजेश साव, मनोज यादव, राखाल राय उनकी टीम एवं स्थानिय कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा।

दो नाबालिगों से यौन शोषण, आरोपी अधेड़ गिरफ्तार

ट्यूशन के बहाने बुलाया था घर

पूर्व मेदिनीपुर : दो नाबालिगों के साथ यौन शोषण के आरोप में एक बूढ़े व्यक्ति को फिर से गिरफ्तार किया गया है। पूर्व मेदिनीपुर के भूपतिनगर की इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। आरोपी की उम्र 60 साल से ज्यादा है।

आरोप है कि वृद्ध ने शनिवार की रात नौ बजे ट्यूशन पढ़ाने के लिए छात्रों को घर बुलाया और उस वक्त उसके घर पर कोई नहीं था। उन पर उस मौके पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। घटना के बाद छात्रा घर लौट आई और परिजनों को जानकारी

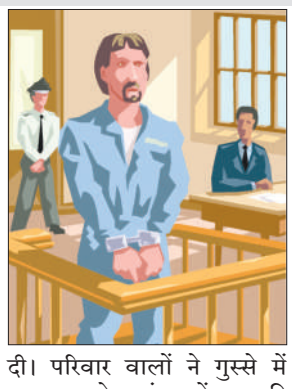

दी। परिवार वालों ने गुस्से में आकर पूरे गांव में इसकी जानकारी दी। एक क्षण में पूरे गांव में भगदड़ मच गई। आरोप है कि ग्रामीणों ने आरोपी के घर पहुंचकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर भूपतिनगर पुलिस मौके पर गई। पुलिस ने आरोपी को मौके से बचाया और गिरफ्तार कर थाने ले गई। रविवार को स्वास्थ्य जांच के बाद आरोपी को विशेष कांथी अदालत ले जाया गया। दूसरी ओर, कांथी उपजिला अस्पताल में दो नाबालिगों की जांच की गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बाद में उनका गोपनीय बयान लिया जाएगा। आरोपी के खिलाफ पाक्सो धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नदी में डूबा बच्चा, 19 घंटे बाद घाट पर मिला शव

दक्षिण दिनाजपुर : नदी में डूबे बच्चे की 19 घंटे की खोजबीन के बाद उसके शव को नदी के किनारे से बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम अबीर अंकुर (6) है। घटना दक्षिण दिनाजपुर के लोबा पंचायत के जोपलाई गांव की है।जानकारी के अनुसार जोपलाई गांव निवासी गोपीनाथ अंकुर अपने बेटे के साथ हिंगलो नदी में नहाने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा उस समय हुआ जब पिता बच्ची को छोड़कर पांच मिनट के लिए खेत में गया था। काफी प्रयास के बाद भी बच्चा नहीं मिला। सूचना पाकर दुबराजपुर थाना पुलिस और दुबराजपुर ब्लॉक प्रशासन मौके पर पहुंचा।ब्लॉक आपदा मोचन टीम बच्चे की तलाश में निकली।

शनिवार की रात गुजर गई लेकिन उसका पता नहीं चला। रविवार की सुबह, राज्य पुलिस आपदा प्रतिक्रिया दल हिंगलो नदी पर गया। लेकिन उससे पहले खबर आई कि अजय नदी के बाबूपुर घाट पर बच्चे का शव पानी में तैरता हुआ मिला। पुलिस ने शव को दुबराजपुर ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। वहां से अंत्यपरीक्षण के लिए सिउड़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय के वाहन में गांजा तस्करी, एक गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : उत्तर बंगाल कृषि विश्वविद्यालय के किराये की कार में गांजा तस्करी के आरोप लगे हैं। इस मामले में आज सुबह कार में गांजा तस्करी करते हुए एक अस्थायी कर्मचारी को रघुनाथगंज थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कार के ड्राइवर अनिल चंद्र डे को गांजा तस्करी गिरोह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह कूचबिहार का रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, सुबह गुप्त सूचना मिलने पर रघुनाथगंज थाने की पुलिस ने मंगलजोन इलाके में एक ढाबे के सामने वाहन को रोका। जंगीपुर जिला पुलिस के अनुसार, कार की तलाशी लेने पर 122 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजा तस्करी में शामिल होने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस

सूत्रों के अंसार, आज सुबह उन्हें गुप्त सूचना मिली कि अनिल चंद्र डे उत्तर बंगाल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किराए पर ली गई कार में भारी मात्रा में गांजा लेकर नदिया जिला अंतर्गत चकदह जा रहे हैं। जब वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर मंगल जोन इलाके के पास पहुंचा तो पुलिस ने उसे रोक लिया। इसके बाद कार में रखे चार बोरों की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बरामद गांजे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 50 लाख रुपये है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

रेल कर्मियों के लिए आरबीएमएस मोबाइल ऐप सेवा

चित्तरंजन : रेल कर्मचारियों के लिये मोबाइल डिवाइस पर आरबीएमएस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। इस प्रक्रिया को अपनाकर कर्मी सिविल इंजीनियरिंग मेंटेनेंस की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिए आरबीएमएस (रेलवे बिल्डिंग मेंटिनेस सिस्टम) एप शुरू किया गया है। आईओडब्लयू कार्यालयों में स्वयं उपस्थित हुए बिना इस ऐप के जरिये क्वार्टर निवासी को शिकायत दर्ज करने का अवसर प्रदान करता है। इसे गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से इंस्टॉल किया जा सकता है। इंस्टॉलेशन के बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी डालकर एचआरएमएस आई डी माध्यम से ऐप में लॉग इन करना होगा। सिविल और बागवानी से संबंधित शिकायतें पूर्व निर्धारित शिकायतों की सूची के माध्यम से दर्ज की जा सकती है। यह ऐप विशेष क्वार्टर के निवासियों के लिए हैं।

पति की दीर्घायु की कामना के लिए महिलाओं ने रखा करवा चौथ का व्रत

हुगली, समाज्ञा : सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु की कामना को लेकर करवा चौथ का व्रत रखा। जिले के रिसड़ा के बांगुड़ पार्क, नया बस्ती श्रीरामपुर के प्रभाषनगर, टीचर्स कॉलोनी, एन एस रोड, उत्तरपाड़ा, हिन्दमोटर आदि जगहों पर पति पत्नी के प्रेम का प्रतीक करवा चौथ पर्व का पालन किया गया। ग्रामीण से लेकर आधुनिक महिलाओं तक ने करवा चौथ का व्रत बडी.श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पालन किया। स्त्रियां ने दिन भर अन्न- त्यागकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए करवा चौथ का व्रत रखा। देर शाम चांद को अर्घ्य देकर व्रत परायण किया। इसके बाद, अपने पति की एक सूरत देखकर उनके चरण स्पर्श करके उपवास परायण करते हुए अपने पति के हाथों जल ग्रहण करने के बाद भोजन किया। यह व्रत कार्तिक माह की चतुर्थी को मनाया जाता है, इसलिए इसे करवा चौथ कहते हैं। इस व्रत में चांद को छलनी से देखने का विशेष प्रचलन है। राजस्थानी महिलाएं सुषमा, संगीता, मीनू, शशि एवं खुसबू ने बताया कि करवा चौथ शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला तो करवा और दूसरा चौथ। जिसमें करवा का मतलब मिट्टी के बरतन और चौथ यानि चतुर्थी है। इस दिन, मिट्टी के पात्र यानी करवों की पूजा का विशेष महत्व है। करवा चौथ के मौके पर महिलाएं व युवतियों मेहंदी लगवाती हैं। चतुर्थी को दिनभर व्रत

करने के बाद शाम को 16 श्रृंगार से सजकर चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और भगवान गणेश की पूजा करती हैं। इस व्रत के पालन से पति को दीर्घायु मिलती है ऐसी मान्यता है। विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है। हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, चंद्रमा को भगवान ब्रह्मा का रूप माना जाता है और चंद्रमा को लंबी उम्र का वरदान प्राप्त है। साथ ही, चांद में सुंदरता, प्रसिद्धि, शीतलता, प्रेम और लंबी उम्र जैसे गुण भी हैं। यही वजह है कि विवाहित महिलाएं चांद को देखकर उनके इन सब गुणों की कामना अपने पति के लिए भी करती हैं।

मेट्रो ने किया वॉकथॉन का आयोजन

40 वें साल का मना रहा जश्न

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो ने अपने 40 साल पूरे होने के मौके पर रविवार को पार्क स्ट्रीट से एस्प्लेनेड तक एक वॉकथॉन का आयोजन किया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी उदय कुमार रेड्डी ने इस वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में मेट्रो रेलवे महिला कल्याण संगठन (एमआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की अध्यक्ष पी. श्रीलता, मेट्रो रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पूर्वी रेलवे के स्काउट्स एंड गाइड्स और बड़ी संख्या में मेट्रो कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया। रानापा (स्टिल्ट) और ढाकी वाले कलाकार इस वॉकथॉन का अतिरिक्त आकर्षण थे।इस वॉकथॉन में दो झांकियों ने हिस्सा लिया, एक पुराने नॉन-एसी रेक की प्रतिकृति और दूसरी कोलकाता की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक इतिहास और इसकी सामाजिक-अर्थव्यवस्था में मेट्रो के योगदान को दर्शाती है। इन दोनों झांकियों ने देखने वालों का ध्यान खींचा।यह वॉकथॉन लगभग एक घंटे तक चला और न्यू एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर समाप्त हुआ। पार्क स्ट्रीट से एस्प्लेनेड तक के पूरे रास्ते को गेटों, मेट्रो रेलवे के विकास और प्रगति को दर्शाने वाले बैनरों और होर्डिंग्स से खूबसूरती से सजाया गया था। एस्प्लेनेड के रास्ते में आम लोग भी इस वॉकथॉन में शामिल हुए। वॉकथॉन के बाद, दक्षिण 24 परगना के काकवदीप के सूर्यनगर आनंदमन आश्रम के 30 अनाथ बच्चों के लिए एस्प्लेनेड

से हावड़ा मैदान और वापस हुगली नदी के नीचे एक आनंद सवारी की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने जीएम और एमआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष पी. श्रीलता के साथ इस सवारी का भरपूर आनंद लिया। समारोह को चिह्नित करने के लिए न्यू एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर एक बैठो और ड्रा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों एवं अनाथ बच्चों ने भाग लिया।

आसनसोल में डीजल लोको स्टेबलिंग लाइन के विद्युतीकरण से रेल परिचालन दक्षता में वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : आसनसोल में मेमू शेड यार्ड में डीजल लोको स्टेबलिंग लाइन का हाल ही में विद्युतीकरण किया गया। यह कदम रेलवे सेवाओं की परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस दौरान लोको स्टेबलिंग लाइन पर 350 मीटर से अधिक विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। लोको शेड को मेमू शेड यार्ड से जोड़ने के लिए 700 मीटर का एक और विद्युतीकरण पूरा कर लिया गया है, जिससे काफी भीड़भाड़ कम हुई है और लोकोमोटिव और रेक की आवाजाही में वृद्धि हुई है। इस परियोजना में 'ईस्ट बहार लाइन' में संशोधन शामिल हैं, जो पहले मेमू संचालन के लिए समर्पित थी, अब

लोकोमोटिव और मेमू दोनों के लिए अनुकूलित है। इन प्रगतियों से न केवल आसनसोल यार्ड के परिचालन लचीलेपन में सुधार होता है, बल्कि भीड़भाड़ भी काफी कम हो जाती है, जिससे समग्र सुरक्षा में वृद्धि होती है। इस विद्युतीकरण से आसनसोल के इलेक्ट्रिक लोको शेड (ईएलएस) में इलेक्ट्रिक इंजनों के दोनों तरफ प्रवेश और निकास की अनुमति देता है। वहीं, एक बिना तार वाली लाइन के विद्युतीकरण से शंटिंग समय में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे परिचालन सुव्यवस्थित हो गया है। इसके अलावा, नया विद्युतीकृत खंड स्थान और दक्षता को अनुकूलित करते हुए 13 लोकोमोटिव को समायोजित कर सकता है।

यह सुधार रेलवे परिचालन को आधुनिक बनाने और लोगों को सेवा वितरण बढ़ाने की पूर्व रेलवे की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। विद्युतीकरण परियोजना न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान करती है बल्कि रेल परिवहन में भविष्य की प्रगति के लिए भी मंच तैयार करती है।

हावड़ा-भागलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्रियों ने ट्रेन में स्वच्छता की सराहना की

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे द्वारा स्वच्छता पहल के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 4.0 के तहत स्टेशन परिसर के साथ-साथ ट्रेन के डिब्बों में भी सफाई में स्पष्ट सुधार हुआ है। 22309 हावड़ा-भागलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक यात्री सोमा दत्ता ने ट्रेन के डिब्बे में साफ-सफाई से अभिभूत होकर ट्विटर के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए ट्रेन के स्वच्छता की सराहना की। उन्होंने लिखा मैंने 22309 हावड़ा-भागलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से हावड़ा से बोलपुर तक यात्रा की। इस दौरान ट्रेन पर साफ-सफाई, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण भोजन

सराहनीय है। बोलपुर स्टेशन की साफ-सफाई भी सराहनीय थी। यह पूरे पूर्व रेलवे में यात्रियों को बेहतर सौंदर्य और स्वच्छता से संतुष्ट करने वाली स्वच्छता पहल का प्रमाण है। पूर्व रेलवे इन पहलों के माध्यम से स्वच्छ और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व रेलवे ने रेलवे स्टेशनों पर रेल चौपाल के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के डिवीजनों और कार्यशालाओं में विशेष अभियान 4.0 के तहत विभिन्न तरह के गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान के साथ-साथ स्वच्छता चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से गहन सफाई जागरूकता अभियान भी शामिल है। रविवार को स्वच्छता ही सेवा 2024 पहल के तहत, आसनसोल स्टेशन पर एक स्वच्छता चौपाल और यात्री जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व पूर्व रेलवे के उप सीएमई (ईएनएचएम) ने किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य, यातायात और वाणिज्यिक विभागों के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों के साथ-साथ आरपीएफ कर्मियों, खाद्य संचालकों

और हाउसकीपिंग स्टाफ ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, सियालदह, कोलकाता, नैहाटी, बंडेल और वर्दवान सहित पूर्व रेलवे के कई अन्य स्टेशनों पर भी स्वच्छता चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं, सियालदह, कोलकाता, जसीडीह, मधुपुर, बांका और सुल्तानगंज जैसे स्टेशनों पर गहन सफाई गतिविधियां की गई।

एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान वर्दवान, कोलकाता, नैहाटी और अन्य स्थानों पर स्टेशन परिसरों में चलाया गया, जहां विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। पूर्व रेलवे विशेष अभियान 4.0 का उद्देश्य स्वच्छ और हरित वातावरण को बढ़ावा देना है।

न्यूज इन ब्रीफ

बलिया में खेत में मृत मिला युवक

बलिया (उप्र) : बलिया जिले में रविवार सुबह पानी से भरे धान के एक खेत में एक युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना नगरा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर नहर के समीप की है जहां पानी से भरे धान के खेत में पवन कुमार (25) का शव मिला। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी मोहम्मद फहीम कुरैशी सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मौका मुआयना और निरीक्षण किया गया तथा शव को कब्जे में लिया गया है।

अमेरिकी दम्पति ने धनबाद की एक अनाथ बच्ची को गोद लिया

धनबाद : अमेरिका के एरिजोना में रहने वाले एक दम्पति ने झारखंड के धनबाद से 15 महीने की एक बच्ची को गोद लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पेशे से व्यापारी टॉड बैंक अपनी बहन और केंद्रीय दत्तक-ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) के अधिकारियों के साथ धनबाद पहुंचे और गोद लेने की प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों ने बताया कि बैंक की पत्नी एरिजोना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं और गर्भवती होने के कारण वह भारत नहीं आ सकीं। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के जिला अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी दंपति ने सीएआरए के माध्यम से बालिका को गोद लिया। बच्ची को 2023 में गोविंदपुर-धनबाद हाईवे के किनारे झाड़ियों में लावारिस हालत में पाया गया था।

समाज में परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है आरएसएस : दिलीप बिस्पुते

मथुरा (उप्र) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दिलीप बिस्पुते ने रविवार को कहा कि संघ समाज में परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। बिस्पुते ने कहा कि समाज में लोगों को पांच परिवर्तन अर्थात पांच विषयों को ध्यान में रखना चाहिए। वह दीनदयाल गौविज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उन पांच विषयों का उल्लेख करते हुए कहा, स्वदेशी को हम सभी को अपने जीवन में उतारना है। दूसरे, नागरिक कर्तव्य अर्थात नियमों एवं कानून के अंतर्गत व्यवहार करने से ही राष्ट्र समृद्ध व उन्नत होगा।'

जनता की परेशानियों के निस्तारण के लिए लगाएंगे 'समाधान शिविर'

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को संबंधित अधिकारियों को 22 अक्टूबर से नगर निकायों में 'समाधान शिविर' लगाने का निर्देश दिया, ताकि जनता की समस्याओं का समाधान किया जा सके। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, सैनी ने राज्य में विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा के लिए शहरी स्थानीय निकाय और विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह निर्देश जारी किए। विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में जन कल्याण को प्राथमिकता देते हुए सैनी ने कहा कि समाधान शिविरों के दौरान सभी अधिकारी पूर्वाह्न नौ बजे से 11 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पिछली सरकारों के घोटाले अखबारों में छाये रहते थे, अब 15 लाख करोड़ रु के कामों की चर्चा हो रही:मोदी

प्रधानमंत्री ने किया 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पिछली सरकारों पर लाखों करोड़ रुपये के घोटाले करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 10 साल पहले तक इन घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी, लेकिन अब उनके नेतृत्व वाली सरकार के नए कार्यकाल के सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है। मोदी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधता। उन्होंने कहा, '10 साल पहले तक सरकार के लाखों करोड़ों रुपये के घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी। बातचीत का मुद्दा ही लाखों करोड़ों रुपये के घोटाले होते थे। (नए कार्यकाल के) आज सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है।

यही तो वह बदलाव है जो देश चाहता है।' उन्होंने कहा कि जनता का पैसा जनता पर खर्च हो, देश के विकास पर खर्च हो और पूरी ईमानदारी से खर्च हो, यह उनकी सरकार की बड़ी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा, 'बीते 10 सालों में हमने देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है और इस अभियान के दो सबसे बड़े लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य, निवेश से नागरिकों की सुविधा बढ़ाने का और दूसरा लक्ष्य निवेश से नौजवानों को नौकरी देने का। आज देश में नए-नए राजमार्ग बन रहे हैं।

मोदी के नेतृत्व वाली 'एनडीए' सरकार का मतलब 'नरेन्द्र दामोदर दास का अनुशासन' : शंकराचार्य

वाराणसी (उप्र) : कांची काम कोटि पीठ के शंकराचार्य श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वती स्वामी ने रविवार को कहा कि भगवान ने नरेन्द्र मोदी को आशीर्वाद दिया है और उनके नेतृत्व वाली सरकार एनडीए का अर्थ नरेन्द्र दामोदर दास का अनुशासन है। वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा, 'नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के प्रति ईश्वर की कृपा है और इनकी सरकार 'एनडीए' (का मतलब) नरेन्द्र दामोदर दास का अनुशासन है। उन्होंने कहा कि सरकार विश्व में एक आदर्श सरकार के रूप में सबके कल्याण के लिए सुन्दर कार्य कर रही है। इस नेत्र चिकित्सालय का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। कांची के शंकराचार्य ने संस्कृत में अपने संबोधन की शुरुआत की और कहा, 'आज अच्छा पर्व काल है। इस पर्व काल में काशी में सबको विश्वनाथ जी अनुग्रह देते हैं। आज नेत्र उत्सव देखने का अवसर है और यह सेवा का महत्वपूर्ण अवसर है जिसकी शुरुआत कोयंबटूर में हुई और अभी 17वें अस्पताल की शुरुआत हो रही है। उत्तर प्रदेश में दो अस्पताल वाराणसी और कानपुर में हैं। शंकराचार्य ने जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए विधानसभा चुनाव की भी सराहना की और कहा कि मोदी से उनका पुराना परिचय है।

दलित छात्र पर हमला कर जबरन लगवाया 'जय श्री राम' का नारा : सहपाठियों पर मुकदमा

कानपुर : उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के सेन पश्चिम पारा क्षेत्र में 16 वर्षीय दलित छात्र पर हमला करके उसे 'जय श्री राम' का नारा लगाने को मजबूर करने के आरोप में उसके सहपाठियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पूरे प्रकरण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद पुलिस ने रविवार को भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इस सिलसिले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त (घाटमपुर) रंजीत कुमार ने कहा कि दलित समुदाय का नाबालिग लड़का शनिवार को स्कूल के गेट के सामने पहुंचा था, तभी छात्रों के एक समूह ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि आरोप है कि उन्होंने उसके साथ यह हरकत इसलिये की क्योंकि उन्होंने उसके 'इंस्टाग्राम स्टेटस' पर भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें देखी थीं। कुमार ने कहा कि दलित लड़के को बाद में 'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने रविवार को सेन-पश्चिम पारा थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई। उनके मुताबिक, मामले की जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

आरएसएस से जुड़े लोगों पर हमला: अधिकारियों ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की

जयपुर : जयपुर के रजनी विहार इलाके में एक व्यक्ति और उसके बेटे द्वारा आरएसएस से जुड़े दस लोगों पर कथित रूप से चाकू से हमला करने के तीन दिन बाद, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की प्रवर्तन शाखा ने रविवार को मंदिर की जमीन पर आरोपियों द्वारा बनाए गए एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। शरद पूर्णिमा के दिन मंदिर में बृहस्पतिवार को धार्मिक कार्यक्रम के दौरान नसीब चौधरी और उसके बेटे भीष्म चौधरी ने वहां मौजूद दस लोगों पर हमला किया था। दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ उस समय हमला किया जब भक्तों के बीच प्रसाद बांटा जा रहा था। आरोपी पिता नसीब (57) और उसका बेटा भीष्म (21) कार्यक्रम में पहुंचे और शोर मचाने को लेकर उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद आरोपियों ने कुछ अन्य लोगों को बुला लिया और मंदिर में मौजूद लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नसीब चौधरी ने मंदिर और पार्क की जमीन पर अतिक्रमण कर उस पर अवैध निर्माण कर लिया है, जिसके बाद जेडीए की टीम ने सर्वेक्षण किया और चौधरी को नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर जवाब देने को कहा। अधिकारियों के मुताबिक, जब जेडीए की प्रवर्तन शाखा को नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने बुलडोजर की मदद से मंदिर की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए दो कमरों को ढहा दिया।

राजस्थान में सड़क हादसे में आठ बच्चों सहित 12 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की

जयपुर : राजस्थान के धौलपुर जिले के बाडी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेंपो के बीच हुई टक्कर में आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। बाडी थानाधिकारी शिवलहरी मीणा ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब ग्वालियर से जयपुर जा रही तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस ने सुमीपुर के पास टेंपो को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना धौलपुर जिले में करौली-धौलपुर राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि हादसे में एक दंपति और आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। पीड़ित एक ही परिवार के थे और शादी समारोह से लौट रहे थे। मीणा ने बताया कि मृतकों की पहचान इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), परवीन (32), जरीना (35), शाकिर (6), सनीफ (9), अजान (5), आशियाना (10), सूफी (7) और दानिश (10) के रूप में हुई है। वे बाड़ी के करीम गुमवत कॉलोनी के निवासी थे और बरौली गांव में आयोजित कार्यक्रम से घर लौट रहे थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरि किशन ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 11 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक की मौत जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत पर रविवार को दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की। मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स अकाउंट पर कहा, राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदयविदारक है।

झारखंड में अकेले चुनाव लड़े, तो भी 'इंडिया' गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे : राजद

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते पर निराशा व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को कहा कि 12 से कम सीट उसे स्वीकार्य नहीं होंगी और अगर अकेले चुनावी मैदान में उतरना पड़ा, तो उस स्थिति में भी वह 'इंडिया' गठबंधन की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) बनाया है, जिसमें कांग्रेस, राजद और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) भी घटक हैं। झामुमो और कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि दोनों दल राज्य की 81 विधानसभा सीट में से 70 पर चुनाव लड़ेंगे और बाकी सीट पर घटक के अन्य सहयोगी लड़ेंगे। राजद प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा, '12-13 सीट से कम हमें स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि राजद की 18-20 सीट पर मजबूत पकड़ है। अगर हमें तीन-चार सीट पर चुनाव लड़ने के लिए कहा जाता है, तो हम कोई त्याग करने के लिए तैयार नहीं हैं।' उन्होंने कहा, हमारा एकमात्र उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना है, हम 'इंडिया' गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि यदि पार्टी अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय भी लेती है, तो भी वह 60-62 सीट पर 'इंडिया' के उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगी। राजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में सात सीट पर चुनाव लड़ा था और एक सीट पर जीत हासिल की थी।

बिहार उपचुनाव: राजद ने तीन और भाकपा (माले) ने एक सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा की

पटना : बिहार में 'इंडिया' गठबंधन ने अगले महीने चार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए रविवार को उम्मीदवारों की घोषणा की। इन चार में से तीन सीट विधायकों के लोकसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई थीं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, राजद की राज्य इकाई के प्रमुख जगदानंद सिंह और भाकपा (माले), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेताओं ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तीन सीट रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) तरारी से चुनाव लड़ेगी। रामगढ़ से जगदानंद सिंह के बेटे तथा सुधाकर सिंह के भाई अजित सिंह को राजद का उम्मीदवार बनाया गया है। सुधाकर सिंह के बक्सर से लोकसभा सदस्य बनने के बाद रामगढ़ सीट खाली हुई थी। बेलागंज में विश्वनाथ कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले, इस सीट से उनके पिता सुरेन्द्र प्रसाद यादव चुनाव लड़ते थे, जो अब जहानाबाद से सांसद हैं। इमामगंज से राजद ने गया जिला परिषद के पूर्व सदस्य रोशन मांझी को टिकट दिया है। तरारी में भाकपा (माले) के उम्मीदवार राजू यादव हैं, जिन्होंने 2019 में आरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

कल्पना सोरेन की भाजपा को सरना कोड व ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करने की चुनौती

धनबाद : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने रविवार को दावा किया कि लोगों को यह अहसास हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी ने उसकी गरिमा को ठेस पहुंचायी है। उन्होंने भाजपा को सरना धार्मिक कोड की मांग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत का आरक्षण देने की मांग का समर्थन करने की चुनौती दी। कल्पना सोरेन ने धनबाद जिले के टुंडी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के लोग अब भाजपा के 'झूठे वादों' में नहीं फंसेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा में हिम्मत है तो उसे सरना धार्मिक कोड, भर्ती नीति जैसे आदिवासी अधिकारों और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'गुमराह करने की भाजपा की कोशिश उसे महंगी पड़ेगी क्योंकि झारखंड के लोग जग गये हैं और उन्हें अहसास हो गया है कि पार्टी ने उनके अधिकार छीन लिये हैं तथा उनकी गरिमा को ठेस पहुंचायी है।' कल्पना सोरेन ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के अधिकारों के लिए अनथक संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा से केंद्र से राज्य की 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया कोयला रॉयल्टी के बारे में भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि यदि झामुमो सत्ता में लौटी तो वह केंद्र से यह रकम लेगी'। उन्होंने झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा घोषित सामाजिक कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन राज्य के पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के बारे में सोचा। राज्य में मतदान दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

न्यूज अपडेट

बहराइच घटना : अदालत ने विध्वंस नोटिस प्राप्त करने वालों को जवाब दाखिल करने को 15 दिन का और समय दिया

लखनऊ : इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने रविवार को उन लोगों को बड़ी राहत दी जिन्हें बहराइच में कुंडसर-महसी-नानपारा-महराजगंज मार्ग पर अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने के लिए नोटिस दिया गया है और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए दिए गए वक्त को 15 दिन बढ़ा दिया है। पीठ ने कहा है कि संबंधित व्यक्ति 15 दिनों के भीतर नोटिस का जवाब दाखिल कर सकते हैं। अदालत ने साथ ही राज्य के अधिकारियों को जवाब पर विचार करने और जवाब पर उचित आदेश देने का निर्देश दिया है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को तय की है। न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स द्वारा दायर जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की याचिका पर रविवार शाम को विशेष पीठ का गठन किया गया और उसने अंतरिम आदेश पारित कर राज्य के अधिकारियों को अवैध ढांचों को गिराने की तैयारी करने से रोक दिया। जनहित याचिका दायर करते हुए तर्क दिया गया कि राज्य ने अवैध तरीके से ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया है और ध्वस्तीकरण अभियान शुरू करने की उसकी कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के हाल के निर्देशों का उल्लंघन है, जिसमें कुछ मामलों को छोड़कर बुलडोजर की कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया है। राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थायी अधिवक्ता (सीएससी) शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

उत्तर प्रदेश: हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए तीन सगे भाइयों समेत पांच को आजीवन कारावास

बलिया (उप्र) : बलिया जिले की एक अदालत ने चुनावी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की हत्या के नौ वर्ष पुराने मामले में तीन सगे भाइयों समेत पांच लोगों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रांत वीर ने रविवार को बताया कि अपर जिला जज राम कृपाल की अदालत ने शनिवार को मुकदमे की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद रमेश यादव, जनार्दन यादव और सुरेश यादव (तीनों सगे भाई) के साथ ही अनिल यादव और राम विलास को आजीवन कारावास और प्रत्येक को 18,500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार जिले के नरही थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में 17 अक्टूबर 2015 को पंचायत चुनाव में एक प्रत्याशी के समर्थन करने को लेकर रामनाथ यादव और कान्ता यादव को गोली मारी गई, जिसमें रामनाथ यादव की मौत हो गई।

पटना के नए कलेक्ट्रेट परिसर का छठ के बाद उद्घाटन होने की संभावना

पटना : पटना कलेक्ट्रेट के बहुमंजिला आधुनिक परिसर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और नवंबर में छठ पूजा के तुरंत बाद इसका उद्घाटन होने की संभावना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीन ऊंची इमारतों वाले इस नए परिसर में सतह और बेसमेंट पर पार्किंग की सुविधाएं हैं। इसने डच और ब्रिटिश काल की धरोहर इमारतों के समूह की जगह ले ली है, जो पुराने कलेक्ट्रेट का निर्माण करते थे और जिन्हें पुनर्विकास परियोजना के हिस्से के रूप में 2022 में ध्वस्त कर दिया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आठ टस्कन स्तंभ को संरक्षित कर लिया गया है और इन्हें नए परिसर में एक समर्पित स्थान पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। ये स्तंभ पुराने कलेक्ट्रेट के अब ध्वस्त हो चुके डच युगीन रिकॉर्ड रूम के अग्र भाग की शोभा बढ़ाते थे। केंद्रीय भवन में मुख्य कलेक्ट्रेट होगा, जिसमें 'जी+5' (भूतल और पांच) मंजिल और एक बेसमेंट होगा। इसमें जिलाधिकारी का कार्यालय सबसे ऊपरी मंजिल पर होगा।

धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज लोगों का प्रदर्शन, 700 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर (उप्र) : मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे में सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक धर्म विशेष के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मामले में करीब 500 से 700 लोगों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और निषेधाज्ञा के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात हंगामा उस समय शुरू हुआ जब एक युवक निखिल त्यागी द्वारा सोशल मीडिया पर एक धर्म विशेष (इस्लाम) के खिलाफ की गई टिप्पणी पर उसे गिरफ्तार किया गया, लेकिन इस बीच यह अफवाह फैल गयी कि पुलिस ने उसे छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि बताया कि इस बात से गुस्साए लोग इकट्ठा हो गए और बुढ़ाना कस्बे में प्रदर्शन करते हुए कांधला मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने समझा-बुझा कर जाम समाप्त कराया। पुलिस ने बुढ़ाना कस्बे में फ्लैग मार्च किया और इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी। पुलिस ने बताया कि एहतियातन कस्बे में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

पिछले 10 सालों में साकार हुई 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया गया है और देश ने हर क्षेत्र में विकास के नये प्रतिमान स्थापित किये हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वाराणसी में देश को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की 23 परियोजनाओं के लोकार्पण के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा, 'पिछले 10 वर्षों में हमने एक नए बदलते हुए भारत को देखा है। एक भारत और श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप लेते हुए देखा है।' उन्होंने कहा, 'भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नये प्रतिमान स्थापित किए हैं। चाहे वह सड़क सम्पर्क हो, हवाई संपर्क हो, वॉटरवे हो या रेलवे अथवा सार्वजनिक परिवहन की सुविधा हो। प्रत्येक क्षेत्र में हमें बुनियादी ढांचे का एक आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। एक ओर जहां बुनियादी ढांचे में और रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिकों के जीवन से जुड़ी हुई स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं भी हम सबको एक नए रूप में देश में देखने को मिली हैं।'

योगी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में काशी को बदलते हुए और अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एक नए कलेवर के रूप में पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में अकेले काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हुई है, जिनमें से 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आज पूरी हो चुकी हैं और 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

काशी की विकास यात्रा में नया अध्याय जुड़ा: नेत्र अस्पताल के उद्घाटन पर आदित्यनाथ

वाराणसी, (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के साथ काशी की विकास और सेवा की यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रविवार को आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय का लोकार्पण किया। इस दौरान कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु शंकर विजयेंद्र सरस्वती भी मौजूद थे। इसके बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में शंकर आई हॉस्पिटल की द्वितीय शाखा का उद्घाटन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शंकर आई फाउंडेशन देश के अंदर नेत्र रोगियों को नया जीवन देने का प्रतिष्ठित अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा, 'पूज्य शंकराचार्य की प्रेरणा से 1977 में चला यह अभियान देश के विभिन्न क्षेत्रों में शंकर आई हॉस्पिटल के माध्यम से लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य कर रहा है।'

बिहार में जहरीली शराब पीने से मौतों के मामले में दो पुलिसकर्मी निलंबित

पटना : बिहार के सिवान, सारण और गोपालगंज जिलों में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामलों में दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और सात महिलाओं समेत 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों जिलों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 37 लोगों की मौत हुई है। मशरख थाने के प्रभारी और भगवानपुर चौकी पर तैनात एक अन्य पुलिस अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में कर्तव्य में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। सारण रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नीलेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'सीवान और सारण जिलों के प्रशासन ने घटना के बाद मगहर, औरिया और इब्राहिमपुर क्षेत्रों के तीन चौकीदारों को पहले ही निलंबित कर दिया है।'

मैत्री एक्सप्रेस रद्द रहेगी

बांग्लादेश रेलवे से प्राप्त संदेश के अनुसार, **13109 कोलकाता – ढाका मैत्री एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 22.10.2024) और **13107 ढाका – कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 22.10.2024) **रद्द** रहेंगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

न्यूज इन ब्रीफ

असम उप चुनाव में हम चार सीट बरकरार रखेंगे, पांचवी पर जीत की कोशिश : मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)राज्य की पांच विधानसभा सीट पर हो रहे विधानसभा चुनाव में चार सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखेगा जबकि पांचवीं सीट विपक्ष से छीनने के लिए कड़ी मेहनत करेगा। धोलाई, सिडली, बोंगाईगांव, बेहाली और सामागुरी विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे क्योंकि ये सीट उनके विधायकों के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण रिक्त हुई हैं। शर्मा ने कहा, '' पांच में से चार निर्वाचन क्षेत्रों में हमारे विधायक थे और वे सांसद बन गए। उन्होंने आगामी उपचुनाव में उम्मीदवारों की जीत की जिम्मेदारी ली है। मुझे यकीन है कि हम उन चार निर्वाचन क्षेत्रों को बरकरार रखने में सक्षम होंगे।'' उन्होंने कहा, ''पांचवीं सीट पर हमारा विधायक नहीं था। एक राजनीतिक दल के तौर पर हम वहां भी जीतने की कोशिश करेंगे। अगर जनता हमें आशीर्वाद देगी तो हम उस सीट का भी प्रतिनिधित्व कर सकेंगे।'' असम की पांच विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा और परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

वांगचुक का अनशन जारी, पुलिस ने उनके साथ जुड़ने वाले समर्थकों को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली : जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके समर्थकों का अनशन रविवार को 15वें दिन भी प्रवेश कर गया। कई अन्य लोग जो समूह में शामिल होकर 'मौन व्रत' रखना चाहते थे, उन्हें एकत्र होने की अनुमति नहीं दी गई और दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस ने लद्दाख भवन के चारों ओर बड़े पैमाने पर अवरोधक लगाए हैं जहां पर वांगचुक अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। वांगचुक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि यह 'मौन व्रत' है, न कि कोई विरोध प्रदर्शन। उन्होंने कहा, ''यह देखकर दुख हुआ कि इस रविवार को मौन व्रत के हमारे आह्वान को कुछ तत्वों द्वारा विरोध प्रदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कृपया समझें कि हम अपने भविष्य के समर्थन में शांतिपूर्ण उपवास का आह्वान कर रहे हैं।''

बांग्लादेश में सर्वोच्च न्यायिक परिषद बहाल, संसद नहीं हटा सकेगी न्यायाधीशों को : सर्वोच्च न्यायालय

ढाका : बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद को न्यायिक कदाचार के आरोपों की जांच करने के अधिकार के साथ रविवार को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही अपने उस पिछले फैसले को भी बरकरार रखा, जिसमें 16वें संविधान संशोधन को अवैध घोषित किया गया था, जिसके तहत न्यायाधीशों को हटाने का अधिकार संसद को हस्तांतरित किया गया था। उच्चतम न्यायालय के वकील रूहुल कुदुस ने उच्चतम न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद संवाददाताओं को बताया, ''यह आदेश प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की अपीलीय प्रभाग की छह सदस्यीय पीठ द्वारा पारित किया गया।''

कांग्रेस ने असम उपचुनाव के लिए चार उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

गुवाहाटी : कांग्रेस ने अगले महीने असम में पांच विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनाव के लिए रविवार को चार उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। उपचुनाव ढोलई (आरक्षित), सिडली (आरक्षित), बोंगाईगांव, बेहाली और सामगुरी में होंगे। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में विधानसभा सदस्यों की जीत के बाद ये सीट रिक्त हो गई थी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने ढोलई, सिडली, बोंगाईगांव और सामगुरी के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। पांच सीट में से केवल सामगुरी सीट पहले कांग्रेस के पास थी और इसके नेता रकीबुल हुसैन यहां से विधायक थे और अब हुसैन के बेटे तंजील को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने ढोलई के लिए ध्रुबज्योति पुरकायस्थ, सिडली के लिए संजीब वारले और बोंगाईगांव सीट के लिए ब्रजेनजीत सिन्हा के नाम की भी घोषणा की।

हम एम्स ब्रांड को कमजोर नहीं होने देंगे : नड्डा

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी.नड्डा ने रविवार को कहा कि वह नये अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में पढ़ाई और शिक्षण कर्मियों की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आने देंगे और इस ब्रांड की रक्षा करेंगे। नड्डा ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सेवाएं दे रहे बिहार और झारखंड के चिकित्सकों के मंच द्वारा आयोजित बीजेएमएफकॉन-2024 को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली एम्स की स्थापना 60 के दशक में हुई और 80 के दशक में ही यह एक ब्रांड के रूप में उभर पाया। उन्होंने कहा, किसी भी संस्थान को विकास करने और पूरी क्षमता से काम करने में 10 से 20 साल का समय लगता है। मैं एम्स के मानकों को कमजोर नहीं होने दूंगा और ब्रांड नाम की रक्षा करूंगा। नड्डा ने कहा कि शिक्षण कर्मियों की भर्ती में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एम्स-दरभंगा के लिए जल्द ही भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा और एम्स-देवघर का काम शुरू हो चुका है और कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नड्डा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा स्वास्थ्य में बदलाव लाने के लिए कई नीतिगत हस्तक्षेप किए गए हैं। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य नीति-2017 में हमने इसे व्यापक और समग्र बनाने का प्रयास किया। पहले उपचारात्मक पहलू पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक उपशामक और पुनर्वास पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो एक समग्र दृष्टिकोण है। नड्डा ने कहा कि जिन सुविधाओं को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र और उप-केंद्र कहा जाता था उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 1.73 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं और उनकी गुणवत्ता का आकलन डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का ध्यान गैर-संचारी रोगों का शीघ्र पता लगाने पर है। उन्होंने बताया कि बिहार में 10,716 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिनमें अब तक 8.35 करोड़ लोग आए हैं और गैर-संचारी रोगों के लिए 4.36 करोड़ जांच की गई । नड्डा ने कहा कि झारखंड में 3,825 आरोग्य मंदिर हैं, जिनका लाभ अबतक 2.33 करोड़ लोगों ने लिया है। उन्होंने कहा, ''इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भारत सरकार किस तरह सुनिश्चित कर रही है कि स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम छोर पर मौजूद लोगों तक और लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।''

भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की ओर से जारी उम्मीदवारों की इस सूची को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की 16 अक्टूबर को हुई बैठक में अंतिम रूप दिया गया। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। पार्टी ने राज्य सरकार में मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर और पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है।

'तीव्र कंपन, रसायन जैसी गंध'

विस्फोट के बाद दिल्ली के पश्चिम विहार के स्थानीय लोग दहशत में

नयी दिल्ली : दिल्ली के रोहिणी इलाके के निवासी रविवार सुबह एक जोरदार धमाके की आवाज सुनकर नींद से जागे। धमाके की तीव्रता ऐसी थी कि दूर-दूर के घरों में भी इसका कंपन महसूस किया गया। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर रसायन जैसी गंध थी और हर जगह घने सफेद धुएं का गुब्बार था। निवासियों ने कहा कि इलाके में स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास विस्फोट होने के बाद आसपास दहशत फैल गई। इलाके की निवासी किरण सचदेवा ने कहा, ''यह (धमाका) पटाखे की तरह नहीं था, आवाज बहुत तेज थी और उसके बाद 15-20 मिनट तक हर जगह सिर्फ धुआं ही धुआं था।'' साठ-वर्षीया किरण ने कहा कि यद्यपि उनका घर घटनास्थल से 200-250 मीटर दूर था, लेकिन धमाके का अहसास भूकंप जैसा महसूस हुआ। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट से स्थानीय व्यवसाय प्रभावित हुए। उनके अनुसार, अग्निशमन विभाग, पुलिस, बम निरोधक दस्ते के साथ-साथ राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) की एक-एक टीम विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल पर पहुंच चुकी थी। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन स्कूल की दीवारें और कुछ दुकानें तथा पास में ही खड़ी एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। आमतौर पर चहल-पहल वाली सड़कें खामोश थीं, सभी दुकानें और खोखे बंद थे। दुकानदार हिमांशु कोहली ने कहा कि जब उन्होंने धमाके की आवाज सुनी तो वे घटनास्थल की ओर भागे।

हालिया घटनाक्रम पर सलमान खान ने कहा, जीवन के अहम दौर से गुजर रहा हूं

नयी दिल्ली : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और अपने करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि उन्हें ''बिग बॉस 18'' के प्रतियोगियों के बीच झगड़े को ऐसे समय में संभालना पड़ रहा है जब वह अपने जीवन के एक अहम दौर से गुजर रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी शानदार इफ्तार पार्टियों का आयोजन करने और बॉलीवुड में अपने संपर्क के लिए जाने जाते थे। सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के मुंबई में स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार खान से करीबी संबंध होने के कारण सिद्दीकी को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई द्वारा निशाना बनाये जाने की आशंका है। 'बिग बॉस 18' के शनिवार के 'वीकेंड का वार' एपिसोड में खान ने कहा कि वह लोकप्रिय रियलिटी शो के सेट पर नहीं आना चाहते थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित कई वीडियो में खान को यह कहते हुए देखा जा सकता है, ''यार, कसम खुदा की, मैं अपनी जिंदगी में किन हालातों से गुजर रहा हूं और मुझे आकर ये सब संभालना है (बिग बॉस के घरवालों के बीच झगड़े)... मुझे लगता है कि मुझे आज यहां नहीं आना चाहिए था। लेकिन आपको वही करना होगा जो आपको करना है।''

निज्जर की हत्या, पन्नू को मारने का प्रयास 'एक ही' साजिश का हिस्सा : कनाडा के पूर्व उच्चायुक्त

नयी दिल्ली : भारत में कनाडा के उच्चायुक्त रहे कैमरन मैके ने दावा किया है कि सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या का असफल प्रयास 'एक ही' साजिश का हिस्सा थे। मैके अगस्त में भारत से चले गए थे। सीबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में मैके ने कहा कि कनाडा और अमेरिका दोनों ही मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सोचना भारत सरकार की भूल है कि वह कनाडा और अमेरिका में अपराध कर सकती है और बच निकल सकती है। पिछले साल कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या में भारत सरकार के शामिल रहने के ओटावा के नये आरोपों के बाद, नयी दिल्ली ने कनाडा के उच्चायोग प्रभारी स्टीवर्ट व्हीलर और पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। कनाडाई राजनयिक शुक्रवार शाम दिल्ली से चले गए। भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को भी कनाडा से वापस बुला लिया है और वे भी भारत लौट रहे हैं। कनाडा सरकार ने कहा था कि भारतीय राजनयिकों को देश से निकाल दिया गया है। भारत ने निज्जर की हत्या से संबंधित मामले में ओटावा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। निज्जर को भारत में आतंकवादी घोषित कर दिया गया था। कनाडाई प्रसारणकर्ता को दिये साक्षात्कार में मैके ने आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या और अमेरिका में पन्नू की हत्या का असफल प्रयास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मैके ने दावा किया, ''कल ही अमेरिका में आरोपपत्र और आरोप, तथा उससे पहले 29 नवंबर 2023 को जारी किया गया आरोपपत्र, पूरे उत्तर अमेरिका, कनाडा और अमेरिका में कई व्यक्तियों की हत्या करने के लिए दिल्ली से शुरू हुई एक ही साजिश का विस्तृत चित्रण करता है।''

न्यूज अपडेट

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : मुंबई पुलिस ने दसवीं गिरफ्तारी की

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने नवी मुंबई से एक कबाड़ व्यापारी को शूटर को हथियार मुहैया कराने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। आरोपी की पहचान भागवत सिंह ओम सिंह (32) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान के उदयपुर का रहने वाला है और फिलहाल नवी मुंबई में रह रहा है। अधिकारी ने बताया कि सिंह को एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 26 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने अब तक भगवंत सिंह समेत 10 लोगों को सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को हुई हत्या के सिलसिले में विभिन्न स्थानों से गिरफ़्तार किया है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की बांद्रा में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सिद्दीकी पर हमला उनके विधायक बेटे के कार्यालय के पास किया गया था। पुलिस की हिरासत में संदिग्ध शूटर गुरमेल बलजीत सिंह (23) और धर्मराज राजेश कश्यप (19) हैं। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम और हत्या की साजिश में शामिल दो अन्य व्यक्ति फरार हैं।

जम्मू में गोवंश 'तस्करी' को लेकर दो समूहों के बीच झड़प के बाद दो प्राथमिकी दर्ज

जम्मू : जम्मू में कथित गोवंश तस्करी को लेकर प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच झड़प के बाद दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। यह जानकारी रविवार को पुलिस ने दी और समुदायों से सोशल मीडिया पर अफवाहों के बजाय सत्यापित जानकारी पर भरोसा करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार की रात को जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित सोहांजना गांव में कुछ गौरक्षकों ने कथित तौर पर दूसरे समुदाय के गोवंश तस्करों को रोका, जिसके बाद मामूली झड़प की सूचना मिली। गौरक्षकों का समर्थन करने वाले लोगों के एक समूह ने रविवार को प्रदर्शन किया और धमकी दी कि अगर ''तस्करों'' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो वे अपना आंदोलन तेज करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की तथा उन्हें आश्वासन दिया कि पुलिस ने पहले ही दो मामले दर्ज कर लिए हैं और आगे की जांच की जा रही है। घटना के बारे में सोशल मीडिया पर सामने आयी अफवाहों को ''भ्रामक'' बताते हुए पुलिस ने कहा कि अधिकारियों ने तेजी से और प्रभावी ढंग से कार्रवाई की और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है।

कोर द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु प्रभात फेरी एवं पौधा रोपण का आयोजन

प्रयागराज : केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज ने स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 4.0 को और आगे बढ़ाते हुए आर. एन. सिंह - प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजी. तथा प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक रविवार को कोर की त्रिवेणी विहार रेलवे कालोनी, रामबाग, प्रयागराज में स्वच्छता सम्बन्धी रेलवे कर्मचारियों एवं उनके बच्चों द्वारा एक भव्य प्रभात फेरी निकली गई। तत्पश्चात कल्याण सिंह - उप महाप्रबंधक एवं विमल कुमार जनसम्पर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महिलाओं व बच्चों ने पौधा रोपण किया। इस कार्यक्रम में बच्चों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया कि लोग गंदगी न फैलाएँ, कूड़ा कूड़ादान में ही डालें, प्लास्टिक से बनें सामानों का प्रयोग न करें क्योंकि प्लास्टिक स्वास्थ के लिए हानिकारक है तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु अधिक से अधिक पेड़ लगाने व उसकी देख भाल करने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चे देश का भविष्य होते है प्रारम्भ से ही यदि बच्चों में स्वच्छता एवं पर्यावरण की नींव पड़ जाएगी तो स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सकेगा।

असम में छह करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी : असम के कामरूप जिले से करीब छह करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त करने के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी प्रणवज्योति गोस्वामी ने एक बयान में कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की टीम ने अमीनगांव इलाके में अभियान चलाया और शनिवार रात मणिपुर से लाये गये मादक पदार्थ को जब्त कर लिया। उन्होंने कहा, ''मादक पदार्थ को

के दौरान उसके वाहन से हेरोइन के 49 डिब्बे मिले और उन्हें जब्त कर लिया गया।'' गोस्वामी ने कहा कि मादक पदार्थ का वजन 637 ग्राम था जिसकी कीमत छह करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने कहा, ''इसके बाद पड़ोसी राज्य के कांगपोकपी जिले से एक ट्रक में लाया गया था। गुप्त सूचना मिली कि जिस व्यक्ति को मादक पदार्थ सौंपे गए हैं, वह एक 'स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स' (एसयूवी) में आ रहा है। इसके बाद पुलिस ने उसे रोक लिया। तलाशी मणिपुर से मादक पदार्थ लाने वाले ट्रक के चालक को चांगसारी में एक पार्किंग स्थल से गिरफ्तार कर लिया। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।'' अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

मुकेश अंबानी ने बदरीनाथ, केदारनाथ के दर्शन किए

गोपेश्वर : उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रविवार को भगवान बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन किए और दोनों मंदिरों में कुल पांच करोड़ दो लाख रुपये की भेंट अर्पित की। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पहले बदरीनाथ धाम पहुंचे जहां श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार एवं मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने उनकी अगवानी की । सुबह नौ बजे मंदिर पहुंचने के बाद उन्होंने भगवान के दर्शन किए तथा पूजा में शामिल हुए । इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही स्थित लक्ष्मी मंदिर में मां लक्ष्मी के दर्शन

किये जहां समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें भगवान बदरीविशाल का प्रसाद भेंट किया। इसके बाद अंबानी केदारनाथ मंदिर पहुंचे जहां समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने उनका स्वागत किया। उन्होंने मंदिर में भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया । इसके बाद अजय ने उद्योगपति को भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया।

नेपाल की धरती पर चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी: प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह 'एक चीन' नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में उनके आधिकारिक आवास पर हुई। 'एक चीन' नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। चीन का दावा है कि अलग हुआ देश ताइवान उसका हिस्सा है और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए 'एक चीन' नीति का पालन करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान ओली ने नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री के सचिवालय के अनुसार, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) पार्टियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बातचीत हुई। ओली सीपी-एन (यूएमएल) के अध्यक्ष हैं और उन्हें चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है।

न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने शुरू किया दिवाली त्योहार का जश्न

न्यूयॉर्क : न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों ने दिवाली का जश्न शुरू कर दिया है और वे यहां के लोगों के बीच रोशनी के इस त्योहार का संदेश फैला रहे हैं। मैनहट्टन के मध्य स्थित टाइम्स स्क्वायर से लेकर पेंसिल्वेनिया तक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने दिवाली मनाने के लिए जश्न मनाना शुरू कर दिया है। दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर को है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारतीय अमेरिकी समुदाय और अमेरिकी मित्र दिवाली मनाने के लिए टाइम्स स्क्वायर में एकत्रित हुए।'' पोस्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान टाइम्स स्क्वायर पर

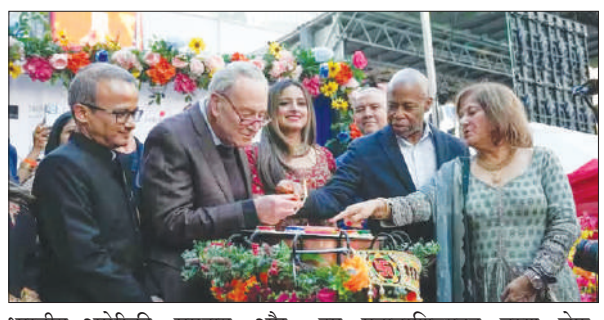

भारतीय-अमेरिकी समुदाय और अमेरिकी मित्रों के साथ दिवाली मनाने में शामिल हुए। सीनेट के बहुमत नेता चक शूमर, न्यूयॉर्क शहर मेयर एरिक एडम्स, सदस्य जेनिफर राजकुमार भी नीता भसीन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उप महावाणिज्यदूत वरुण जेफ, भारतीय प्रवासी और एशियाई अमेरिकी समुदाय के सदस्यों के साथ अपर डार्बी, पेंसिल्वेनिया में खालसा एशियन अमेरिकन एसोसिएशन द्वारा आयोजित दिवाली समारोह में शामिल हुए।

यूक्रेन ने रूस पर दागे 100 से ज्यादा ड्रोन, रूसी मिसाइल हमलों में 17 यूक्रेनी घायल

कीव : रूस की वायु रक्षा प्रणालियों के जरिये रविवार को देश के पश्चिमी क्षेत्र में 100 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर यूक्रेन के क्रीवी रिह शहर में एक बैलिस्टिक मिसाइल हमले में 17 लोग घायल गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बीती रात रूस के सात क्षेत्रों की ओर भेजे गए 110 ड्रोन को मार गिराया गया। मंत्रालय ने कहा कि अधिकतर ड्रोन ने रूस के सीमा क्षेत्र कुर्क्स को निशाना बनाया, जहां 43 ड्रोन मार गिराए जाने की सूचना मिली है। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो फुटेज में निजनी नोव-गोरोड क्षेत्र के डेजरजिन्स्क शहर के ऊपर वायु रक्षा बल ड्रोनों के तबाह

करते हुए दिख रहे हैं। स्थानीय गवर्नर ग्लेब निकितिन ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि डेजरजिन्स्क औद्योगिक क्षेत्र पर ड्रोन हमले को विफल करते हुए चार लड़ाके घायल हो गए। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी नहीं दी। इन टिप्पणियों की स्वतंत्र रूप से 'एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा पुष्टि नहीं की जा सकी। इस बीच अधिकारियों ने रविवार को कहा कि यूक्रेन के क्रीवी रिह शहर पर दो रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले में 17 लोग घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के प्रमुख एलेक्जेंडर विलकुल ने कहा कि शनिवार शाम हुए हमले में मकानों और औद्योगिक परिसरों को भी नुकसान हुआ है। सितंबर के अंत में इसी तरह के एक हमले में रूस के रक्षा मंत्रालय ने सात क्षेत्रों में 125 ड्रोनों के नष्ट होने की सूचना दी थी। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रातभर में कुल 49 ड्रोन और दो 'इस्कंदर-एम' बैलिस्टिक मिसाइलों को दागा। इसने कहा कि यूक्रेन की राजधानी कीव समेत 12 क्षेत्रों में 31 ड्रोन को मार गिराया गया जबकि 13 अन्य रडार से गायब हो गए, जिससे पता चलता है कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा के कारण नष्ट कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर एक बयान में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह ही यूक्रेन पर लगभग 800 निर्देशित हवाई बम और 500 से अधिक हमलावर ड्रोन दागे थे।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 87 लोग मारे गए या लापता हैं: फलस्तीनी अधिकारी

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी) : उत्तरी गाजा में कई मकानों पर इजराइली हमलों में 87 लोग मारे गए हैं या लापता हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि बेत लहिया शहर पर शनिवार को रातभर और रविवार को हुए हमलों में 40 लोग घायल भी हुए हैं। गाजा के उत्तरी छोर पर स्थित बेत लहिया, लगभग एक वर्ष पहले इजराइल के जमीनी हमले के पहले लक्ष्यों में से एक था। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका वर्गीकृत दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से जारी करने की जांच कर रहा है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये दस्तावेज वैध प्रतीत होते हैं। ईरान लेबनान में हमास और हिजबुल्ला आतंकवादी समूह का समर्थन करता है, जहां एक साल से बढ़ते तनाव ने

पिछले महीने एक पूर्ण युद्ध का रूप ले लिया। बेत लहिया में हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। इसने हालांकि कहा कि वह ''गाजा में हवाई हमलों और जमीनी अभियानों दोनों को जारी रखे हुए है।'' चिकित्सक रहीम खेदर के अनुसार मृतकों में दो दंपती और उनके चार बच्चे, तथा एक महिला, उसका बेटा और उसकी पुत्रवधू और उनके चार बच्चे शामिल हैं।

आखिरी दिन नहीं हुआ कोई चमत्कार, न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद टेस्ट जीता

बेंगलुरू : न्यूजीलैंड ने जसप्रीत बुमराह के खतरनाक स्पैल का डटकर सामना करते हुए आखिरी दिन किसी चमत्कार की भारत की कोशिशों पर पानी फेर दिया। पहला टेस्ट आठ विकेट से जीतकर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारतीय सरजमीं पर पारंपरिक प्रारूप में सफलता का स्वाद चखा। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। जीत के लिये 107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने शुरूआती झटकों के बाद कोई कोताही नहीं बरती। विल यंग 48 रन बनाकर और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 75 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में 1 . 0 से बढत दिला दी। पहली पारी में 46 रन पर आउट होने के बावजूद भारत ने जिस तरह मैच में वापसी की थी, वह काबिले तारीफ है। उसे अब पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में इस हार को भुलाकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। गले की जकड़न से उबरने के बाद शुभमन गिल की दूसरे टेस्ट में वापसी तय लग रही है लेकिन पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 150 रन बनाने वाले सरफराज खान को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत को यह भी देखना होगा कि तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरना है या तीन स्पिनर ही उतारने है। यह फैसला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर कारगर साबित नहीं हुआ। आखिरी दिन गीली आउटफील्ड के कारण मैच एक घंटा विलंब से 10 बजकर 15 मिनट पर शुरू हुआ। नयी गेंद संभालते हुए बुमराह ने 29 रन देकर दो विकेट लिये। टॉम लाथम खाता खोले बिना पहले ही ओवर में आउट हो गए। अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दिया जिस पर उन्होंने रिव्यू लिया। डीआरएस में भी उनके आउट होने की पुष्टि हो गई। भारत को तीसरे तेज गेंदबाज की कमी महसूस हुई होगी क्योंकि विकेट से बुमराह और मोहम्मद सिराज को मदद मिल रही थी। भारत ने तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को उतारा था जिन्होंने तीन ओवर में 26 रन दिये। डेवोन कोंवे भी बुमराह के सामने असहज लग रहे थे और 17 रन बनाकर पगबाधा आउट हो गए। न्यूजीलैंड का स्कोर उस समय दो विकेट पर 35 रन था लेकिन यंग और रविंद्र ने इसके बाद संभलकर खेला। आसमान खिलने के बाद बल्लेबाजी में दिक्कत नहीं हुई और दोनों ने ढीली गेंदों को नसीहत दी। पहली पारी में शतक जमाने वाले रविंद्र ने कुलदीप को छक्का भी लगाया।

हम एक मैच के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते: रोहित

बेंगलुरु : कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को कहा कि भारत सिर्फ एक हार के बाद टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपना नया आक्रामक रवैया नहीं बदलेगा। न्यूजीलैंड ने यहां पहले टेस्ट में भारत को आठ विकेट से हरा दिया, लेकिन टीम ने पहली पारी में 46 रन पर ढेर होने के बाद दूसरी पारी में 462 रन बना कर जबरदस्त संघर्ष दिखाया। रोहित ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम एक मैच या एक श्रृंखला के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते हैं। हम टेस्ट मैच हारने के डर से अपनी मानसिकता नहीं बदलने जा रहे हैं।' भारत ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में इसी तरह का रवैया दिखाया और बारिश के कारण दो दिन से अधिक समय गंवाने के बावजूद टीम ने जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, 'यह अपनी कोशिश जारी रखने के साथ प्रतिद्वंद्वी टीम को यह संदेश देने के बारे में है कि हम दबाव में या मैच में पिछड़ नहीं रहे हैं। जब आप वास्तव में पीछे होते हैं, तो आप असाधारण चीजें करने की कोशिश करना चाहते हैं और बिना किसी डर के खेलना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम ने हाल के कुछ मैचों में जैसा प्रदर्शन किया है उससे पता चलता है कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं और यह इसी तरह होने वाला है। हमने यहां (बेंगलुरु में) भी बेखौफ क्रिकेट खेला।'

पहला टेस्ट हारने के बाद हमने इंग्लैंड से चार टेस्ट जीते थे : रोहित शर्मा

बेंगलुरु : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को यकीन है कि न्यूजीलैंड के हाथों पहला टेस्ट आठ विकेट से हारने के बावजूद उनकी टीम उसी तरह वापसी करेगी जैसे इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर की थी। पहली पारी में घरेलू टेस्ट में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में वापसी की लेकिन आठ विकेट से हार गई। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, 'इस तरह के मैच होते हैं। हम इसे भुलाकर आगे बढेंगे। हमने इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच गंवाने के बाद चार मैच जीते हैं। हमें पता है कि हर एक खिलाड़ी को क्या करना है।' उन्होंने स्वीकार किया कि हालात को भांपने में उनसे गलती हुई लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सोचा नहीं था कि भारतीय टीम 46 रन पर आउट हो जायेगी। रोहित ने कहा, 'मैने प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि हमें पता था कि शुरूआत में दिक्कत होगी लेकिन हमने यह नहीं सोचा था कि टीम 46 रन पर आउट हो जायेगी। न्यूजीलैंड में अच्छी गेंदबाजी की और हम नाकाम रहे।' उन्होंने कहा, 'दूसरी पारी में हमने अच्छी बल्लेबाजी की। जब आप 350 रन पीछे हों तो ज्यादा कुछ नहनीं कर सकते। कुछ अच्छी साझेदारियां बनी। हम सस्ते में आउट हो सकते थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरफराज और ऋषभ ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज ने काफी परिपक्व पारी खेली।'

वाशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल

बेंगलुरु : हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में आठ विकेट की हार के बाद चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन को टीम में शामिल कर लिया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को दिल्ली के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच में तमिलनाडु के लिए 152 रन बनाने के बाद टीम में शामिल किया गया है। वाशिंगटन ने जनवरी 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने पदार्पण टेस्ट में गेंद और बल्ले से प्रभावित किया था।। न्यूजीलैंड श्रृंखला के बाद भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए वाशिंगटन को एक बार फिर से टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा, '' वाशिंगटन सुंदर दूसरे टेस्ट से पहले पुणे में टीम के साथ जुड़ेंगे।'' इस दायें हाथ से स्पिन गेंदबाजी करने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने चार टेस्ट, 22 वनडे और 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा।

न्यूजीलैंड ने पहली बार जीता टी20 वर्ल्ड कप का खिताब

दुबई: न्यूजीलैंड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीत लिया है। कीवी टीम पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम करने में सफल हुई है। क्रिकेट इतिहास में न्यूजीलैंड का यह पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब है। देश की पुरुष टीम अभी तक टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। फाइनल में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 32 रनों से हराया। टॉस जीतने के बाद साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। बड़े मैचों में हमेशा टीमों को पहले बैटिंग के लिए कहा जाता है लेकिन यहां साउथ अफ्रीका ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार दी। न्यूजीलैंड ने 158 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने लगातार विकेट खोए और अंत में टीम 126 रन ही बना पाई। साउथ अफ्रीका लगातार दूसरे महिला टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल हारी है। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में ही इसी साल जून में साउथ अफ्रीका को हार मिली थी।

अमेलिया केर बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

अनुभवी अमेलिया केर ने इस फाइनल मुकाबले में टीम के लिए ऑलराउंड प्रदर्शन किया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' केर ने बल्ले से सबसे ज्यादा 43 रन बनाने के बाद तीन विकेट चटका कर मैच पर न्यूजीलैंड का दबदबा कायम किया। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। केर ने 38 गेंद की पारी में चार जबकि हैलिडे ने 28 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में तीन चौके लगाये। टीम के लिए सूजी बेट्स ने भी 31 गेंद में तीन चौकों की मदद से 32 रन का योगदान दिया।

बेंगलुरु की हार के बाद पंत ने कहा, हम मजबूती से वापसी करेंगे

बेंगलुरु: भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने रविवार को कहा कि खेल में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहेंगे लेकिन असफलता के बाद 'हर बार मजबूत वापसी' करना अहम है। भारत को रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह 36 वर्षों में न्यूजीलैंड की भारत में पहली टेस्ट जीत थी। पंत ने 'एक्स' पर लिखा, यह खेल आपकी क्षमताओं का परीक्षण करेगा, आपको नीचे गिराएगा, आपको ऊपर उठाएगा और आपको फिर से वापस फेंक देगा। लेकिन जो लोग इसे पसंद करते हैं वे हर बार मजबूत होकर उभरते हैं। पंत ने भारत की दूसरी पारी में 105 गेंद में 99 रन बनाकर मैच में टीम की मजबूत वापसी करवाई थी। भारत ने दूसरी पारी में 462 रन बनाये थे। उन्होंने बेंगलुरु के दर्शकों का समर्थन के लिए शुक्रिया किया। श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में होगा।पंत ने लिखा,प्यार, समर्थन और उत्साहवर्धन के लिए बेंगलुरु के शानदार प्रशंसकों को धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे।

न्यूज अपडेट

सुल्तान जोहोर कप: भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया

जोहोर बाहरू (मलेशिया) : दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के दो-दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (सातवें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किये। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज़ (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने दो-दो गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा। शारदा नंद ने इसके बाद दिलराज की मदद से पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। उन्होंने 26वें मिनट में मनप्रीत की भी गोल करने में मदद की जिससे भारत 4-2 से आगे हो गया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम को पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह उनका नहीं उठा पाए। ब्रिटेन ने चौथे क्वार्टर के शुरू में रॉयडेन के गोल की मदद से वापसी की कोशिश की। भारत को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। फॉर्म में चल रहे ड्रैगफ्लिकर शारदा नंद ने मौका नहीं गंवाया और गोल कर दिया। इसके कुछ सेकेंड बाद दिलराज ने मैदानी गोल करके स्कोर 6-3 से भारत के पक्ष में कर दिया। रॉयडेन ने 59वें मिनट में अपना दूसरा और ब्रिटेन की तरफ से चौथा गोल किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। भारत ने लगातार दूसरा मैच जीत पर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैंपियनशिप: लाखन सिंह ने जीता स्वर्ण पदक

पणजी : राजस्थान के लाखन सिंह ने रविवार को यहां राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की एस4 100 मीटर फ्रीस्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा के कमलकांत और हरियाणा के बलराज ने इस स्पर्धा में क्रमश: रजत और कांस्य पदक हासिल किया। ओडिशा के नरहरि ने एस5 100 मीटर फ्रीस्टाइल में आंध्र प्रदेश के लक्ष्माराव और बिहार के शम्स आलम को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक हासिल किया। महाराष्ट्र के चैतन्य विश्वास ने एस6 100 मीटर फ्रीस्टाइल में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद उत्तराखंड के राजेंद्र सिंह और ओडिशा के चैतन्य रहे। एस7 वर्ग में कर्नाटक का प्रदर्शन अच्छा रहा, जिसमें तेजस और गोपीचंद क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहे। आंध्र प्रदेश के चरित ने कांस्य पदक हासिल किया। कर्नाटक के श्रीधर ने एस8 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक के साहिल राजाराम और अमोल एस9 वर्ग में पहले और दूसरे स्थान पर रहे। एस10 वर्ग में सेना के कपिल कुमार ने स्वर्ण, महाराष्ट्र के अजय हिंदूराव ने रजत और स्वप्निल संजय ने कांस्य पदक हासिल किया।

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या अगस्त में 9.07 प्रतिशत बढ़कर 18.53 लाख हुई

नयी दिल्ली : सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर 9.07 प्रतिशत बढ़कर 18.53 लाख हो गई है। रविवार को जारी पेरोल आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ईपीएफओ ने अगस्त 2024 में लगभग 9.30 लाख नए सदस्यों को जोड़ा, जो अगस्त, 2023 से 0.48 प्रतिशत की वृद्धि है। इसमें कहा गया है कि नए सदस्यों में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल पहुंच कार्यक्रमों के कारण है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा जारी अगस्त, 2024 के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 में 18.53 लाख सदस्यों की शुद्ध वृद्धि हुई, जो सालाना 9.07 प्रतिशत की वृद्धि है। आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जो अगस्त, 2024 में कुल नए सदस्य जुड़ने का 59.26 प्रतिशत है। इसके अलावा, अगस्त, 2024 के लिए 18-25 आयु वर्ग के लिए शुद्ध पेरोल डेटा 8.06 लाख था। पेरोल डेटा से पता चलता है कि लगभग 13.54 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर निकल गए और फिर से इसमें शामिल हो गए।

खुदरा विक्रेताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कटौती, चार से छह रुपये महंगी हो सकती है सीएनजी

नयी दिल्ली : सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक की कटौती की है। सूत्रों का कहना है कि ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के दाम में चार से छह रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो सकती है। भारत के भीतर अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। मामले की जानकारी रखने वाले चार सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है। सूत्रों ने बताया कि घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है। सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं। एक विकल्प यह है कि सरकार सीएनजी पर उत्पाद शुल्क में कटौती करे। वर्तमान में, केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 प्रतिशत उत्पाद शुल्क वसूलती है, जो 14-15 रुपये प्रति किलोग्राम बैठता है। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कटौती की जाती है, तो खुदरा विक्रेताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डालना पड़ेगा। सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी एक राजनीतिक मुद्दा भी है क्योंकि महाराष्ट्र में अगले महीने चुनाव होने हैं और दिल्ली में भी जल्द चुनाव होने हैं। दिल्ली और मुंबई देश के सबसे बड़े सीएनजी बाजारों में से हैं।

न्यूज अपडेट

उड़ान के तहत 601 मार्ग, 71 हवाई अड्डे चालू हुए: नागर विमानन मंत्रालय

नयी दिल्ली : नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि आठ साल पहले शुरू की गई क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू हो गए हैं। उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हेलीकॉप्टर मार्गों सहित 601 मार्गों को चालू कर दिया गया है और इनमें से लगभग 28 प्रतिशत मार्ग सबसे दूरदराज के स्थानों के लिए सेवा देते हैं। बयान के मुताबिक, 'कुल 86 एयरोड्रोम - जिसमें 71 हवाई अड्डे, 13 हेलीपोर्ट और दो जल एयरोड्रोम शामिल हैं - चालू हो गए हैं। इससे 2.8 लाख से अधिक उड़ानों के जरिये 1.44 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ।' इस बीच, देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी होकर 2024 में 157 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक इनकी संख्या को बढ़ाकर 350-400 तक करना है।

रिलायंस इन्फ्रा की 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को शेयरधारकों की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली : रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरधारकों ने शेयरों के तरजीही निर्गम और योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) मार्ग के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की कंपनी की योजना को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दोनों प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है, जिसमें डाक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावों के पक्ष में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 19 सितंबर को 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी थी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयरों या परिवर्तनीय वारंट के तरजीही आवंटन के जरिए जुटाए जाने थे, जबकि 3,000 करोड़ रुपये क्यूआईपी के जरिए जुटाए जाएंगे। पहले चरण में, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर 240 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 12.56 करोड़ इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करके 3,014 करोड़ रुपये का तरजीही नियोजन शुरू कर रहा है। इसमें से 1,104 करोड़ रुपये रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रवर्तकों द्वारा प्रवर्तक कंपनी राइजी इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से निवेश किए जाएंगे। राइजी 4.60 करोड़ शेयर खरीदेगी। तरजीही निर्गम में भाग लेने वाले दो अन्य निवेशक मुंबई स्थित फॉर्च्यून फाइनेंशियल एंड इक्विटीज सर्विसेज और फ्लोरिंट्री इनोवेशन एलएलपी हैं। फ्लोरिंट्री का स्वामित्व ब्लैकस्टोन के पूर्व कार्यकारी मैथ्यू साइरियाक के पास है, जबकि फॉर्च्यून फाइनेंशियल का स्वामित्व निमिश शाह के पास है।

भारत का सौर उपकरण आयात 2030 तक सालाना 30 अरब डॉलर होने का अनुमान: जीटीआरआई

नयी दिल्ली : भारत का सौर उपकरण आयात 2030 बढ़कर सालाना 30 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को एक रिपोर्ट में कहा कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के देश के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह निर्यात बढ़ेगा। इस दौरान चीन पर निर्भरता भी बढ़ेगी। जीटीआरआई ने कहा कि भारत में एक आत्मनिर्भर सौर विनिर्माण उद्योग विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से पॉलीसिलिकॉन और वेफर उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश करना होगा। जीटीआरआई ने आगाह करते हुए कहा कि इसके बिना भारत को उच्च आयात लागत का सामना करना पड़ सकता है और अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। भारत ने 2023-24 में 15 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित की, जिससे सितंबर तक कुल क्षमता बढ़कर 90.8 गीगावाट हो गई।

सरकारी बैंकों में मुख्य महाप्रबंधकों के पद बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली : वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के बढ़ते कारोबार और लाभप्रदता को देखते हुए उनमें मुख्य महाप्रबंधकों के पदों को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। मौजूदा सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, पीएसबी में चार महाप्रबंधकों के लिए एक मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि ये दिशानिर्देश 2019 में जारी किए गए थे और तब से कोविड-19 महामारी के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे उन्होंने रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वृद्धि के अगले स्तर को प्राप्त करने के लिए सीजीएम पदों की समीक्षा कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि दिशा-निर्देशों में ढील देने का फैसला गहन जांच और उनके कारोबार को आगे बढ़ाने की जरूरत पर विचार करने के बाद लिया जाएगा। सीजीएम पद 2019 में 10 राष्ट्रीयकृत बैंकों के चार बड़े बैंकों में विलय के बाद बनाया गया था। सीजीएम महाप्रबंधक और कार्यकारी निदेशक के बीच एक प्रशासनिक और कार्यात्मक संपर्क के रूप में कार्य करते हैं। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्तीय सेवा विभाग से यह भी अनुरोध किया है कि निदेशक मंडल को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार पदों की संख्या तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए। एक राष्ट्रीयकृत बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा, जीएम/ डीजीएम/ एजीएम का मौजूदा अनुपात 1:3:9 है, जो 2016 की स्थिति पर आधारित है, और बेहतर कार्यात्मक नियंत्रण के लिए इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति में सुधार करने में मदद मिलेगी। सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में लगभग चार लाख अधिकारी कार्यरत हैं। पिछले वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल मुनाफा 1.4 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, जो एक लाख करोड़ रुपये के उच्च आधार पर पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में 12 सार्वजनिक बैंकों ने मिलकर 1,04,649 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25.28 लाख इकाई पर

नयी दिल्ली : चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली छमाही में भारत से वाहन निर्यात में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्य रूप से यात्री वाहनों और दोपहिया की खेप बढ़ने से कुल निर्यात बढ़ा है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर में भारत का वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25,28,248 इकाई रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 22,11,457 इकाई था। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, 'लातिनी अमेरिका और अफ्रीका जैसे बाजार जहां किसी न किसी वजह से सुस्ती थी, वहां अब स्थिति में सुधार हुआ है। इस वजह से निर्यात का आंकड़ा बढ़ा है।' मुद्राओं के अवमूल्यन के कारण विभिन्न अफ्रीकी देशों और अन्य क्षेत्रों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इससे उनका वाहन आयात प्रभावित हुआ था क्योंकि ये देश आवश्यक वस्तुओं के आयात पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। विभिन्न विदेशी बाजारों में मौद्रिक संकट के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में वाहन निर्यात में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले वित्त वर्ष में कुल निर्यात 45,00,492 इकाई रहा था, जबकि 2022-23 में यह 47,61,299 इकाई था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल यात्री वाहन निर्यात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 3,76,679 इकाई हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह आंकड़ा 3,36,754 इकाई का था। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी 1,47,063 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष पर रही। कंपनी का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी ने 1,31,546 वाहनों का निर्यात किया था। हुंदै मोटर इंडिया ने पिछले 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि के 86,105 इकाइयों के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 84,900 वाहनों का निर्यात किया। यह एक प्रतिशत की गिरावट है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 19,59,145 इकाई हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 16,85,907 इकाई था।

वर्ष 9, पूर्णांक 4037 अंक 187, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in